राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर,मंगलवार, 23 जून 2026
वर्ष 14,अंक 74, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

कोडीनयुक्त कफ सीरप तस्करी कांड के मास्टरमाइंड शुभम और साथियों पर कसा गया शिकंजा.......03

TMC के बैंक खातों में रखे 440 करोड़ रुपये फ्रीज; बागी विधायकों की शिकायत पर कार्रवाई...04

जिस बिल्डिंग में 15 लोगों का दम घुट गया, वहीं सुबह लगी थी आग; फिर भी नहीं चेता लखनऊ प्रशासन!

● लखनऊ के अलीगंज में हुए भीषण अग्निकांड ने सुरक्षा मानकों और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. हेड हॉपर 3डी आर्ट स्टूडियो वाली तीन मंजिला इमारत में लगी आग में 15 लोगों की मौत और 5 लोग घायल हो गए. चौंकाने वाली बात यह है कि आज सुबह ही इस बिल्डिंग में एक छोटी आग लगी थी, जिसे बुझा लिया गया था।

लखनऊ के अलीगंज इलाके में हुए भीषण अग्निकांड ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. प्रारंभिक जांच और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, जिस इमारत में आग लगी, उसके मालिक वीरेंद्र शुक्ला, सुरेंद्र शुक्ला और धीरेंद्र शुक्ला हैं, जबकि इसकी देख-रेख अखिल शुक्ला करते थे. आरोप है कि बिल्डिंग में सुरक्षा मानकों की भारी अनदेखी की गई थी. बिल्डिंग की ऊपरी मंजिल पर एनिमेशन सेंटर, नीचे पेट शॉप और गोदाम संचालित था. हादसे में 15 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5 घायल हैं चौंकाने वाली बात यह भी है कि इसी बिल्डिंग में सुबह आग लगने की एक छोटी घटना पहले भी हो चुकी थी, जबकि पास की दूसरी बिल्डिंग में एक वर्ष पूर्व भी आग लगने का मामला सामने आया था. फिर भी जिम्मेदार खामोश बैठे रहे।

कितने फ्लोर की है ये बिल्डिंग

ये बिल्डिंग तीन फ्लोर की है. पहले फ्लोर पर पेट शॉप है. दूसरे फ्लोर पर ग्राफिक एनिमेशन का सेंटर है, जहां ग्राफिक एनिमेशन का काम होता है. साथ-साथ समर कैंप के तहत कुछ लोगों को सिखाया भी जाता है. टॉप फ्लोर पर लाइब्रेरी है. आग पहले सेकंड फ्लोर पर लगी, फिर तीनों फ्लोर को अपनी चपेट में ले लिया।

आग लगते ही लॉक हो गया गेट

प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के अनुसार, जिस बिल्डिंग हेड हॉपर 3ष्ठ आर्ट स्टूडियो में आग लगी, उसका मुख्य प्रवेश द्वार थंब इम्प्रेशन सिस्टम से संचालित होता था. आग लगने के बाद सिस्टम के प्रभावित होने से गेट ऑटोमैटिक लॉक हो गया, जिससे अंदर मौजूद लोग बाहर नहीं निकल सके. बताया जा रहा है कि आग मुख्य प्रवेश द्वार के पास लगी थी और बाहर निकलने का रास्ता भी वहीं से था, जिसके कारण कई लोग भीतर फंस गए।

इमरजेंसी एग्जिट और फायर सिस्टम का अभाव

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बिल्डिंग में आपातकालीन निकास द्वार (इमरजेंसी एग्जिट) नहीं था. पूरी इमारत में आने-जाने के लिए केवल सीढ़ियों का एक ही रास्ता मौजूद था. इसके अलावा फायर सेफ्टी सिस्टम और अन्य सुरक्षा इंतजामों की भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी. विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इमरजेंसी एग्जिट और अग्निशमन उपकरण मौजूद होते तो जानमाल का नुकसान काफी कम हो सकता था। जानकारी के अनुसार, जिस जमीन पर यह बिल्डिंग बनी है, वह वीरेंद्र शुक्ला के नाम बताई जा रही है. वहीं भवन का नक्शा सुरेंद्र शुक्ला और धीरेंद्र शुक्ला के नाम पर स्वीकृत बताया जा रहा है. तीनों आपस में सगे भाई हैं. स्थानीय लोगों के अनुसार बिल्डिंग की देख-रेख अखिल शुक्ला द्वारा की जाती थी. वीरेंद्र शुक्ला रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के मालिक हैं। बताया जा रहा कि वर्ष 2014 में आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत मानचित्र को बाद में व्यावसायिक उपयोग के लिए मंजूरी दी गई थी. लंबे समय से यहां पेट शॉप, लाइब्रेरी और एनिमेशन सेंटर का संचालन किया जा रहा था. अब यह सवाल उठ रहा है कि आखिर एलडीए ने मानकों के विपरीत भवन के उपयोग को कैसे अनुमति दी?

एनिमेशन सेंटर में लगी आग, जान बचाने के लिए कूदे लोग

बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से में हेड हॉपर 3डी आर्ट स्टूडियो संचालित होता था, जबकि नीचे पेट शॉप थी. आग लगने के दौरान कई लोगों ने जान बचाने के लिए छज्जों और ऊंचाई से छलांग लगा दी. पेट शॉप में मौजूद जानवरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. कई घायलों को ट्रॉमा सेंटर भेजा गया, जबकि रेस्क्यू टीम गीले कंबल और स्ट्रेचर लेकर भीतर फंसे लोगों को बाहर निकालने में जुटी रही।

मुकदमे की तैयारी, सीएम ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

घटना का संज्ञान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिया है. मामले की उच्चस्तरीय जांच के लिए टीम गठित की गई है. अलीगंज थाने में तहरीर दी जा चुकी है, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है. तहरीर में वीरेंद्र शुक्ला, सुरेंद्र शुक्ला और धीरेंद्र शुक्ला को नामजद किया गया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जा सकता है. साथ ही अग्निकांड वाली इमारत पर बुलडोजर कार्रवाई की संभावना भी जताई जा रही है. फिलहाल पूरे मामले की जांच उच्चस्तरीय अधिकारियों की निगरानी में जारी है।

पुलिस की बर्बरता नहीं रुकी तो कानून का राज खत्म हो जाएगा- पटना हाईकोर्ट

ब्यूरो प्रयागराज। पटना हाईकोर्ट ने कथित पुलिस हिरासत में यातना के एक गंभीर मामले में सख्त रुख अपनाते हुए बक्सर जिले के मुरार थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी के खिलाफ स्रढ्क्र दर्ज करने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि यदि पुलिस की ऐसी बर्बरता पर अंकुश नहीं लगाया गया तो कानून का शासन और नागरिकों के जीवन एवं स्वतंत्रता की संवैधानिक सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी, तथा पुलिस का स्वरूप 'नाजी जर्मनी' की पुलिस जैसा हो सकता है। जस्टिस जितेंद्र कुमार की एकल पीठ उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मुरार थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी कमल नयन पांडेय के खिलाफ FIR दर्ज करने की मांग की गई। याचिकाकर्ता का आरोप है कि उसने थाना प्रभारी, पुलिस अधीक्षक और जिला पदाधिकारी को लिखित शिकायतें दीं, लेकिन इसके बावजूद कोई स्रढ्क्र दर्ज नहीं की गई। याचिका के अनुसार 4 जुलाई 2024 को वह अपने भूमि संबंधी दस्तावेजों को ऑनलाइन अपलोड कराने के लिए चौगाई गांव में अपने एक मित्र की दुकान पर गया। इसी दौरान थाना प्रभारी वहां पहुंचे और पहचान पूछने के बाद कथित रूप से जातिसूचक टिप्पणियां करते हुए डंडे से उसकी पिटाई कर दी, जिससे उसके दोनों पैरों में फ्रैक्चर हो गया। अदालत के समक्ष एक्स-रे रिपोर्ट पेश की गई, जिसमें दोनों पैरों में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। राज्य सरकार ने भी अपने जवाब में इस तथ्य का खंडन नहीं किया। हालांकि पुलिस का दावा था कि बारिश के कारण फिसलने से याचिकाकर्ता को चोट लगी थी और उसके साथ कोई मारपीट नहीं हुई। हाईकोर्ट ने पुलिस की इस दलील को स्वीकार करने से इनकार किया। अदालत ने कहा, 'एक्स-रे रिपोर्ट में दिखाई देने वाली दोनों पैरों की हड्डियां टूटने की स्थिति पुलिस के इस स्पष्टीकरण पर विश्वास करने के लिए प्रेरित नहीं करती। यह मानना भी कठिन है कि एक गरीब व्यक्ति, जो सामान्य नागरिक के खिलाफ FIR दर्ज कराने का साहस नहीं जुटा पाता, वह किसी पुलिस अधिकारी के खिलाफ झूठा आरोप लगाएगा। अदालत ने माना कि याचिका में लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया गंभीर संज्ञेय अपराध का खुलासा करते हैं। ऐसे मामलों में इस स्तर पर आरोपों की सत्यता की जांच नहीं की जाती, बल्कि यह देखा जाता है कि FIR दर्ज करने योग्य मामला बनता है या नहीं। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि आरोपी पुलिस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के लिए किसी पूर्व सरकारी अनुमति की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि किसी गरीब व्यक्ति के साथ इस प्रकार की कथित बर्बरता को सरकारी कर्तव्य का हिस्सा नहीं माना जा सकता। अदालत ने वरिष्ठ अधिकारियों की निष्क्रियता पर भी गंभीर चिंता जताई। हाइकोर्ट ने कहा कि पुलिस अधीक्षक और जिला पदाधिकारी तक शिकायत पहुंचने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। अदालत ने टिप्पणी की, 'व्यक्ति कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून सबसे ऊपर है। कानून के समक्ष समानता और सभी को समान संरक्षण का अधिकार हर नागरिक को प्राप्त है, चाहे वह कितना भी गरीब क्यों न हो। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को मजिस्ट्रेट के समक्ष वैकल्पिक उपाय अपनाने के लिए भेजने से भी इनकार किया। अदालत ने कहा कि इस चरण पर उसे उस प्रक्रिया की ओर भेजना उसके साथ और अधिक अन्याय होगा। पीठ ने माना कि मामले में संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के उल्लंघन का स्पष्ट आरोप है। अदालत ने कहा कि यदि ऐसे मामलों में FIR दर्ज करने का आदेश नहीं दिया गया तो जनता का विश्वास पुलिस व्यवस्था और संवैधानिक अदालतों दोनों से उठ सकता है। अपने कड़े शब्दों वाले आदेश में हाईकोर्ट ने कहा, 'यदि ऐसे आचरण पर नियंत्रण नहीं किया गया और इसे रोका नहीं गया तो कानून का शासन तथा नागरिकों के जीवन और स्वतंत्रता की संवैधानिक सुरक्षा समाप्त हो जाएगी और राष्ट्रीय पुलिस का स्वरूप नाजी जर्मनी की पुलिस जैसा हो सकता है। 'अदालत ने पुलिस महानिदेशक को 30 दिनों के भीतर अनुपालन रिपोर्ट हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के समक्ष प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया।।

पुलिस 'नाजी जर्मनी' जैसी बन सकती है

PATNA HIGH COURT • पटना उच्च न्यायालय

संक्षिप्त ख़बरें

सर्पदंश से किशोरी की मौत

लोटन(सिद्धार्थनगर)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम एकडेगवा में एक पन्द्रह वर्षीय किशोरी की सर्पदंश से मौत होने का घटना सामने आई है। घटना शनिवार देर रात की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार आंचल(15) पुत्री बबलू घर के बाहर खेल रही थी कि इसी बीच उसे जहरीले सांप ने काट लिया। लड़की रोती चिल्लाती आकर परिजनों से बताई। परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोटन ले गए। जहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई।

तहसील दिवस पर आये आवेदन पत्रो के निस्तारण की डीएम के टेस्टिंग में फेल

18 राजस्व निरीक्षकों लेखपालो को प्रतिकूल प्रविष्टि कारण बताओ नोटिस।

ब्यूरो प्रयागराज। तहसील फूलपुर, प्रयागराज में सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा द्वारा विगत तहसील दिवस के निस्तारित प्रकरणों में से रैण्डम आधार पर 51 निस्तारित प्रकरणों का परीक्षण 17 जिला स्तरीय अधिकारियों से कराया गया, जिसमें 21 ऐसे प्रकरण पाये गये जो जिला स्तरीय अधिकारियों के परीक्षण में शिकायतकर्ताओं से असंतोषजनक फीडबैक प्राप्त हुआ। जिलाधिकारी के निर्देश क्रम में बगैर स्थलीय निरीक्षण किये कार्मिकों को विभागीय कार्यवाही, सतही आख्या प्रस्तुत करने वाले कार्मिकों को प्रतिकूल प्रविष्टि एवं संतोषजनक आख्या न प्रस्तुत करने वाले कार्मिकों कठोर चेतावनी निर्गत किये जाने के निर्देश दिये गये है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

1- श्री विमलेश कुमार यादव, उप खण्ड अधिकारी, सिकन्दरा-प्रतिकूल प्रविष्टि

2-श्रीमती अर्चना यादव, लेखपाल फूलपुर-कारण बताओ नोटिस

3-श्री अजीत कुमार, लेखपाल, फूलपुर-विभागीय कार्यवाही

4-श्री राजेन्द्र प्रसाद, राजस्व निरीक्षक फूलपुर-कारण बताओ नोटिस

चेन्नईः फैक्ट्री में अमोनिया गैस रिसाव से हड़कंप

● तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले के पेरीपालयम स्थित एक झींगा प्रोसेसिंग फैक्ट्री में अमोनिया गैस रिसाव से हड़कंप मच गया

इस दुर्घटना में 7 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 6 मजदूर शामिल हैं, जबकि 10 से अधिक गंभीर हालत में चेन्नई के स्टेनली अस्पताल में इलाजरत हैं

7 की मौत और 10 की हालत गंभीर

ANHYDROUS
1005
AMMONIA

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चेन्नईः तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में पेरीपालयम के पास एक कारखाने में अमोनिया गैस रिसाव से हड़कंप मच गया। गैस रिसाव की चपेट में आने से कई लोगों की तबीयत बिगड़ गई, जिससे उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज करा रहे सात लोगों की मौत हो गई है। 10 से अधिक लोग गंभीर हालत में हैं और चेन्नई के स्टेनली अस्पताल के गहन चिकित्सा इकाई में उनका इलाज चल रहा है। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है.।तिरुवल्लूर जिले के पेरीपालयम के पास एक झींगा प्रसंस्करण कारखाना चल रहा है। इसमें कई मजदूर काम करते हैं. आज सुबह जब मजदूर काम कर रहे थे, अचानक अमोनिया गैस का रिसाव होने लगा, जिससे कई मजदूरों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी और उनकी तबीयत बिगड़ गई।

सात लोगों की मौत

इस घटना में अमोनिया गैस रिसाव के कारण 45 से अधिक मजदूर बेहोश हो गए. उन्हें तुरंत इलाके के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. बताया जा रहा है कि बेहोश हुए कुछ लोगों के मुंह और नाक से खून भी बह रहा है. कुल 7 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें 6 मजदूर शामिल हैं. कुछ लोगों का चेन्नई के स्टेनली अस्पताल में इलाज चल रहा है।

राज्यपाल ने जताया दुख

तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया है. राज्यपाल कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि तिरुवल्लूर जिले के पेरियापलायम के पास कन्निकैपैयार गांव में स्थित झींगा प्रसंस्करण कारखाने में हुई अमोनिया गैस रिसाव की दुखद घटना से मैं अत्यंत व्यथित हूं, जिसमें अनेक लोगों की जान चली गई और कई श्रमिक घायल हो गए इस त्रासदी में अपनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है. मैं प्रार्थना करता हूं कि उन्हें इस कठिन समय में शक्ति और साहस मिले. मैं यह भी प्रार्थना करता हूं कि उपचार करा रहे सभी लोग शीघ्र स्वस्थ हो जाएं।

न्यायालय परिसर में महिला आरक्षी से अभद्रता कर पीटा, वर्दी फाड़ी

क्राइम

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वतंत्र प्रभात www.swatantraprabhat.com जो लिखेगा, वही टिकेगा

बलरामपुर। जनपद न्यायालय परिसर में ड्यूटी पर तैनात एक महिला आरक्षी के साथ अभद्रता, पिटाई और सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया है। आरोपी ने महिला की वर्दी भी फाड़ दी। पीड़िता की तहरीर पर देहात कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला आरक्षी पूजा अवस्थी ने पुलिस अधीक्षक विकास कुमार को दिए गए प्रार्थना पत्र ने कहा है कि न्यायालय सुरक्षा में तैनात हैं। उन्होंने दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया कि 11 मार्च 2026 की शाम करीब चार बजे वह एडीआर भवन परिसर में ड्यूटी कर रही थीं।इसी दौरान सीतापुर जनपद निवासी युवराज उर्फ पवन पांडेय वहां पहुंच गया और उनसे अभद्र व्यवहार करने लगा। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए महिला आरक्षी के साथ मारपीट शुरू कर दी। उसने उन्हें जबरन अपने साथ ले जाने का प्रयास किया। महिला आरक्षी द्वारा ड्यूटी का हवाला देकर साथ जाने से इनकार करने पर आरोपी और आक्रोशित हो गया। उनकी वर्दी की पट्टी, डोरी और कंधे का हुक फाड़ दिया। पीड़िता का आरोप है कि घटना का वीडियो बनाने के लिए जब उन्होंने मोबाइल निकाला तो आरोपी ने मोबाइल छीनकर जमीन पर पटक दिया, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद आरोपी ने उन्हें और उनके मायके पक्ष को गंभीर परिणाम भुगतने तथा जान से मारने की धमकी दी। महिला आरक्षी ने बताया कि घटना से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है और वह स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। तहरीर के आधार पर देहात कोतवाली की पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, मारपीट, धमकी और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक गिरजेश तिवारी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सूखती फसलों को मिला 'जीवनदान': किसानों की गुहार पर जागा सिंचाई विभाग, कोहरगड्डी बांध से छोड़ा गया पानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पचपेड़वा (बलरामपुर)। विकासखंड पचपेड़वा के ग्राम पंचायत बीरपुर सेमरा और आस-पास के गांवों में मौसम की बेरुखी से मचा हाहाकार अब राहत में बदल गया है। लंबे समय से बारिश न होने के कारण खेतों में दरारें पड़ने लगी थीं और किसानों की खून-पसीने से तैयार धान की नर्सरी पानी के अभाव में दम तोड़ रही थी। फसलें सूखकर बर्बाद होने की कगार पर थीं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का डर सता रहा था।

ग्रामीणों की एकजुटता रंग लाई संकट गहराता देख बीरपुर सेमरा व आस-पास के ग्रामीणों ने एकजुट होकर सिंचाई विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया। किसानों ने दोटूक शब्दों में चेतावनी दी कि यदि कोहरगड्डी बांध का पानी तुरंत नहरों में नहीं छोड़ा गया, तो पूरे इलाके की फसलें पूरी तरह चौपट हो जाएंगी।

विभाग की त्वरित कार्रवाई से किसानों में हर्ष किसानों की इस गंभीर समस्या को देखते हुए सिंचाई विभाग ने तत्काल संज्ञान लिया। अधिकारियों के निर्देश पर बिना समय गंवाए कोहरगड्डी बांध से नहरों में पानी छोड़ दिया गया। खेतों को मिला नया जीवनः जैसे ही सूखी नहरों में पानी की कलकल गूंजी, बीरपुर सेमरा समेत तमाम गांवों के किसानों के चेहरे खिल उठे।

युद्ध स्तर पर सिंचाईः खेतों में पानी पहुंचते ही सिंचाई का काम तेजी से शुरू हो गया, जिससे दम तोड़ती फसलों को नया जीवन मिल गया है। 'समय रहते पानी मिलने से हमारी डूबती उम्मीदों को सहारा मिल गया है। अगर दो-चार दिन और पानी न मिलता, तो हमारी पूरी मेहनत मिट्टी में मिल जाती। '

भ्रष्टाचार छिपाने हेतु जांच अधिकारी अरुण कुमारपटेल नही प्रेषित कर रहे जांच रिपोर्ट

● जांच अधिकारी अरुण पटेल के बिगड़े बोल नहीं दी जाएंगी आख्या कार्य होगा शून्य

● सुविधा शुल्क के बोझ तले दबे बीडीओ -सचिव/रोजगार सेवक पर कार्रवाई करने को कांप रहे हाथ नहीं रूक रही है फर्जी हाजिरी ग्राम पंचायत नरहरपुर में

● जांच अधिकारी रुपया लेकर मामले को रफा दफा करना चाह रहे हैं हनी भरे तालाब में रोजगार सेवक लग रहा हैफ़र्जी हाजिरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केकप्तानगंज ब्लॉक के नरहरपुर गांव में तालाब खुदाई कार्य में मनरेगा के तहत बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की शिकायत सामने आई थी। इस मामले को समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने के बाद,जिला ग्राम्य विकास अभिकरण बस्ती ने कड़ा रुख अपनाया था और खंड विकास अधिकारी कप्तानगंज से स्पष्टीकरण तलब किया था।बीडीओ कप्तानगंज ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक जांच अधिकारीअरुण कुमार पटेल को मौके पर भेजकर जांच तो करवा ली, लेकिन एक सप्ताह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी जांच अधिकारीअरुण कुमार पटेल ने अपनी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को नहीं सौंपी है।प्राप्त समाचार के अनुसार बीडीओ कप्तानगंज के मातहत क्रमचारी ग्राम पंचायत नरहरपुर के पानी भरे तालाब में लगी फर्जी हाजिरी की जांच तो कर लिया है । किन्तु एक सप्ताह बाद भी आख्या प्रेषित नही किया गया है।

उनका यह रवैया बेहद गैर-जिम्मेदाराना है। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि जांच आख्या को दबाने और मामले को ठंडे बस्ते में डालने के लिए जानबूझकर हीला-हवाली की जा रही है वही जांच अधिकारी अरुण कुमारपटेल के बोल भी बदले-बदले नजर आ रहे हैं। मीडिया से बातचीत में जांच अधिकारी अरुण कुमारपटेल ने बताया कि 'आख्या नहीं दी जाएगी और कार्य शून्य होगा', जिससे पूरी जांच प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं। चर्चाओं का बाजार गर्म है कि सुविधा शुल्क के भारी बोझ तले दबे होने के कारण जिम्मेदार अधिकारी सचिव और रोजगार सेवक पर कार्रवाई करने से कतरा रहे हैं ।

यह रिपोर्ट साफ तौर पर दर्शाती है कि कैसे धरातल पर भ्रष्टाचार की जांच को दबाने के लिए 'सुविधा शुल्क' और प्रशासनिक सांठगांठ का सहारा लिया जा रहा है, जिससे सरकारी धन का दुरुपयोग करने वाले दोषियों को शह मिल रही है । वहीं बीडीओ का सचिव व रोजगार सेवक पर कानूनी कार्रवाई करने को हाथ कांप रहे हैं। सचिव रोजगार सेवक सुनील कुमार तथा प्रधान के द्वारा फर्जी हाजिरी लगाने का आरोप सत्य पाया गया लेकिन आज तक वीडियो द्वारा कार्रवाई क्यों नहीं किया गया गम्भीर सवाल खड़ा हो रहा है।

कार्यालय
खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज,जनपद बस्ती

कश्मीर में गूंजते मंत्र और भाईचारे का संदेश

कश्मीर को सदियों से विविध संस्कृतियों, परंपराओं और आस्थाओं की साझा भूमि के रूप में जाना जाता रहा है। यहाँ की पहचान केवल उसकी प्राकृतिक सुंदरता से नहीं, बल्कि उस सामाजिक ताने-बाने से भी रही है जिसमें अलग-अलग समुदायों ने लंबे समय तक एक साथ जीवन बिताया। कश्मीरी पंडित और मुसलमानों के बीच पीढ़ियों से विकसित हुए सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय संबंध इस भूमि की सबसे बड़ी विशेषताओं में रहे हैं। हालांकि 1989 और 1990 के उथल-पुथल भरे दौर ने इस साझा जीवन को गहरी चोट पहुँचाई। बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों को घाटी छोड़कर देश के विभिन्न भागों में विस्थापित जीवन बिताने के लिए मजबूर होना पड़ा। उस दौर की पीड़ा आज भी हजारों परिवारों की स्मृतियों में जीवित है। ऐसे समय में दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के मुर्रान गाँव से आई एक खबर ने अनेक लोगों के मन में आशा का संचार किया है। लगभग 36 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद कश्मीरी पंडित अपनी कुलदेवी के मंदिर में हवन और पूजा-अर्चना के लिए लौटे और स्थानीय मुस्लिम समुदाय ने उनका स्वागत कर भाईचारे का संदेश दिया।

यह घटना केवल एक धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं थी, बल्कि यह उन भावनाओं का संगम थी जो दशकों से लोगों के भीतर कहीं दबकर रह गई थीं। जब वर्षों पहले अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए लोग वापस अपने गाँव पहुँचे तो उनके सामने केवल मंदिर नहीं था, बल्कि उनकी स्मृतियाँ थीं, उनका बचपन था, उनके पूर्वजों की यादें थीं और वे रिश्ते थे जो समय और दूरी के बावजूद पूरी तरह समाप्त नहीं हुए थे। अनेक परिवारों के लिए यह यात्रा अतीत और वर्तमान के बीच एक भावनात्मक पुल बन गई। जिन गलियों में उन्होंने बचपन बिताया था, जिन घरों के आँगनों में खेला था और जिन पड़ोसियों के साथ जीवन के सुख-दुख साझा किए थे, उन सबको फिर से देखना उनके लिए अत्यंत भावुक अनुभव रहा। मुर्रान गाँव उन स्थानों में से एक है जहाँ कभी कश्मीरी पंडितों और मुसलमानों का जीवन एक-दूसरे से गहराई से जुड़ा हुआ था। दोनों समुदाय सामाजिक अवसरों, पारिवारिक आयोजनों और स्थानीय परंपराओं में सहभागिता करते थे। लेकिन 1989-90 के दौरान बढ़ी हिंसा और असुरक्षा की परिस्थितियों ने इस सामाजिक संतुलन को तोड़ दिया। बड़ी संख्या में पंडित परिवारों ने अपने घर, जमीन, व्यवसाय और सामाजिक परिवेश को छोड़कर पलायन किया। विस्थापन केवल भौगोलिक परिवर्तन नहीं होता, वह व्यक्ति की पहचान, स्मृतियों और सामाजिक संबंधों को भी प्रभावित करता है। इसलिए जब कोई परिवार दशकों बाद अपने मूल स्थान पर लौटता है तो वह केवल एक जगह पर नहीं लौटता, बल्कि अपनी जड़ों और इतिहास से पुनः जुड़ने का प्रयास करता है।

मुर्रान में आयोजित पूजा-अर्चना का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष स्थानीय मुस्लिम समुदाय की भागीदारी रही। उपलब्ध जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने मंदिर परिसर की सफाई, व्यवस्था और आयोजन की तैयारियों में सहयोग दिया। उन्होंने लौटकर आए कश्मीरी पंडितों का स्वागत किया और उनके साथ संवाद स्थापित किया। यह सहयोग केवल औपचारिक नहीं था, बल्कि उसमें उन पुराने रिश्तों की झलक दिखाई दी जो कभी इस क्षेत्र की सामान्य सामाजिक वास्तविकता हुआ करते थे। जब विभिन्न समुदायों के लोग एक-दूसरे के धार्मिक डुठुस्त्र सांस्कृतिक आयोजनों का सम्मान करते हैं, तब समाज में विश्वास का वातावरण मजबूत होता है। मुर्रान की घटना इसी विश्वास की पुनर्स्थापना का संकेत देती है। कई लौटे हुए परिवारों ने अपने पुराने पड़ोसियों से मुलाकात की। वर्षों बाद हुए इन मिलनों में भावनाएँ स्वाभाविक रूप से उमड़ पड़ीं। कुछ लोगों ने उन दिनों को याद किया जब पूरा गाँव एक परिवार की तरह रहता था। कुछ ने अपने उन मित्रों को याद किया जिनके साथ उन्होंने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष बिताए थे। ऐसे अवसर यह दिखाते हैं कि राजनीतिक और सुरक्षा संबंधी परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, मानवीय रिश्तों की स्मृतियाँ लंबे समय तक जीवित रहती हैं। यही स्मृतियाँ भविष्य में नए विश्वास का आधार भी बन सकती हैं।

इस घटना का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि पुलवामा का नाम पिछले कई वर्षों तक आतंकवाद, हिंसा और तनाव से जुड़ी खबरों में प्रमुखता से आता रहा है। देश और दुनिया के अनेक लोगों के मन में पुलवामा की पहचान संघर्ष और अस्थिरता से जुड़ी रही है। ऐसे क्षेत्र से भाईचारे, सहयोग और सामाजिक सौहार्द की खबर सामने आना एक सकारात्मक संकेत माना जा सकता है। यह बताता है कि किसी भी क्षेत्र की वास्तविकता केवल संघर्ष तक सीमित नहीं होती। वहाँ रहने वाले सामान्य लोग शांति, सम्मान और बेहतर भविष्य की आकांक्षा रखते हैं। मुर्रान की घटना इसी आकांक्षा का सार्वजनिक रूप से प्रकट होना है। कश्मीर का इतिहास साझा सांस्कृतिक विरासत का इतिहास रहा है। यहाँ विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं ने एक-दूसरे को प्रभावित किया है। साहित्य, संगीत, भाषा, खानपान और सामाजिक व्यवहार में इस साझा विरासत की स्पष्ट झलक दिखाई देती है। कश्मीरी पंडितों और मुसलमानों के बीच संबंध केवल पड़ोसी समुदायों के संबंध नहीं थे, बल्कि वे एक साझा सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा भी थे। विस्थापन के कारण इस पहचान को गंभीर क्षति पहुँची। इसलिए जब कोई धार्मिक आयोजन दोनों समुदायों को एक मंच पर लाता है तो वह केवल वर्तमान का नहीं, बल्कि उस साझा इतिहास का भी स्मरण कराता है जिसने कश्मीर की विशिष्ट पहचान को जन्म दिया था।

हालाँकि इस सकारात्मक घटना के साथ कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न भी जुड़े हुए हैं। कश्मीरी पंडितों की स्थायी और सम्मानजनक घर-वापसी का मुद्दा आज भी पूरी तरह हल नहीं हुआ है। हजारों परिवार अभी भी घाटी से बाहर रहते हैं। अनेक लोगों के सामने सुरक्षा, रोजगार, आवास और संपत्ति से जुड़े प्रश्न मौजूद हैं। कई परिवारों की नई पीढ़ियाँ उन स्थानों से दूर बड़ी हुई हैं जहाँ उनके पूर्वज रहते थे। उनके लिए वापसी का प्रश्न केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि व्यावहारिक भी है। इसलिए यदि व्यापक स्तर पर पुनर्वास की प्रक्रिया को सफल बनाना है तो उसके लिए दीर्घकालिक और ठोस नीतिगत प्रयास आवश्यक होंगे। सुरक्षा की भावना किसी भी पुनर्वास प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण शर्त होती है। जो परिवार कभी असुरक्षा के कारण अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए थे, उनके मन में स्वाभाविक रूप से अनेक आशंकाएँ मौजूद हो सकती हैं। ऐसे में केवल सरकारी व्यवस्थाएँ ही नहीं, बल्कि स्थानीय समाज का सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मुर्रान में स्थानीय मुस्लिम समुदाय द्वारा प्रदर्शित सद्भाव इसी संदर्भ में विशेष महत्व रखता है। जब पड़ोसी समुदाय स्वयं आगे बढ़कर विश्वास और स्वागत का संदेश देता है, तब पुनर्वास की संभावनाएँ अधिक मजबूत होती हैं।

रोजगार और आर्थिक अवसर भी वापसी के प्रश्न से जुड़े हुए हैं। यदि किसी परिवार को अपने पैतृक स्थान पर लौटना है तो उसे सम्मानजनक जीवनयापन के साधनों की आवश्यकता होगी। शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत सुविधाएँ और आर्थिक अवसर किसी भी स्थायी पुनर्वास के अनिवार्य घटक हैं। इसलिए केवल भावनात्मक अपील पर्याप्त नहीं हो सकती। सामाजिक सद्भाव के साथ-साथ विकास और अवसरों का वातावरण भी आवश्यक है। मुर्रान की घटना का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसने संवाद की आवश्यकता को रेखांकित किया है। लंबे समय तक चले संघर्ष और अविश्वास के बाद समाज में विश्वास का पुनर्निर्माण एक धीमी प्रक्रिया होती है। यह प्रक्रिया छोटे-छोटे कदमों से आगे बढ़ती है। किसी मंदिर में आयोजित पूजा, किसी पुराने पड़ोसी से मुलाकात, किसी साझा स्मृति का पुनर्स्मरण या किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता जैसे प्रयास समाज को धीरे-धीरे निकट लाने का कार्य करते हैं। संवाद की यही प्रक्रिया भविष्य में अधिक व्यापक सामाजिक मेल-मिलाप का आधार बन सकती है। शांति और सद्भाव की खबरें अक्सर संघर्ष और हिंसा की खबरों जितनी चर्चा नहीं पातीं, जबकि समाजों के पुनर्निर्माण में ऐसे सकारात्मक उदाहरणों का महत्व अत्यंत अधिक होता है। मुर्रान की घटना यह दर्शाती है कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद लोगों के भीतर सहअस्तित्व और सम्मान की भावना जीवित रह सकती है। यह भावना ही किसी समाज को आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान करती है। कश्मीरी पंडितों की वापसी का प्रश्न केवल एक समुदाय का प्रश्न नहीं है। यह कश्मीर की बहुलतावादी पहचान, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक संतुलन से भी जुड़ा हुआ है। जब विभिन्न समुदाय सम्मान और सुरक्षा के साथ एक ही समाज में रहते हैं, तभी उस समाज की विविधता और समृद्धि बनी रहती है। इसलिए कश्मीरी पंडितों की सम्मानजनक वापसी को केवल पुनर्वास की प्रक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि कश्मीर की सांस्कृतिक पूर्णता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भी देखा जा सकता है।

महेन्द्र तिवारी

पाकिस्तान भारत पर बयान देकर राजनीति करता है

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

पाकिस्तान एक ऐसा देश है जो स्वयं को नहीं सम्हाल पा रहा है लेकिन भारत के अंदरुनी मामले में दखल जरुर देता रहेगा। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों हिंदुओं की स्थिति क्या है किसी से छिपी नहीं है जबकि भारत में हिन्दू और मुस्लिम को समान अधिकार हैं और दोनों धर्म एक दूसरे के धर्म की इज्जत करते हैं यदि भारत में अतिक्रमण या किसी और वजह से कोई कार्यवाही होती है तो पता नहीं क्यों पाकिस्तानियों को मिर्ची लग जाती है उनका बयान तुरंत आ जाता है। जबकि भारत कभी पाकिस्तान के अंदरुनी मामलों में नहीं बोलता है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री द्वारा भारत में 'मस्जिदों को गिराने' पर बयान देना कोई नई बात नहीं है। ये बयान आमतौर पर भारत में किसी मस्जिद, दरगाह या धार्मिक ढांचे पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद आते हैं।

2025-2026 में भी जब दिल्ली, उत्तर प्रदेश, असम या महाराष्ट्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलता है, तो पाकिस्तान से इसी तरह के बयान आते हैं। ये बयान क्यों आते हैं और इनके पीछे क्या मकसद होता है- त्काल कारणः भारत में कोई कार्रवाई होना

जब भारत में कोर्ट के आदेश पर या नगर निगम द्वारा अवैध निर्माण हटाया जाता है और उसमें कोई धार्मिक ढांचा आता है, तो पाकिस्तान इसे 'मस्जिद गिराना' बताकर मुद्दा बनाता है। उदाहरणः 2023 में दिल्ली के मदनपुर खादर, 2024 में उत्तराखंड के हल्द्वानी में ऐसी कार्रवाई के बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने निंदा की थी। घरेलू राजनीति साधने के लिए- पाकिस्तान में महंगाई, आर्थिक संकट, सैन्य-नागरिक तनाव जैसे मुद्दे हैं। भारत पर धार्मिक मुद्दे उठाकर सरकार घर में 'हम मुस्लिमों के रक्षक हैं' का नैरेटिव बनाती है। ये बयान शहबाज शरीफ, बिलावल भुट्टो या विदेश मंत्रालय की तरफ से अक्सर आते हैं। मकसद जनता का ध्यान अंदरूनी समस्याओं से हटाना होता है। OIC और मुस्लिम देशों में समर्थन जुटाना- पाकिस्तान OIC में कश्मीर और भारत में मुस्लिमों के मुद्दे को बार-बार उठाता है। भारत में किसी मस्जिद पर कार्रवाई को 'इस्लामोफोबिया' बताकर वो सऊदी अरब, तुर्की, मलेशिया जैसे देशों से समर्थन चाहता है। इससे उसे कूटनीतिक ताकत मिलती है। भारत पर नैरेटिव वॉर- भारत जब विदेशों में कश्मीर, आतंकवाद या CPEC पर पाकिस्तान को घेरता है, तो पाकिस्तान जवाब में भारत में अल्पसंख्यकों के मुद्दे उठाता है। ये एक तरह का 'तू भी, मैं भी' कूटनीतिक खेल है।

हकीकत क्या है? भारत में कोई भी धार्मिक ढांचा कोर्ट के आदेश के बिना नहीं गिरता। चाहे मंदिर हो, मस्जिद हो, गुरुद्वारा हो - अगर वो सरकारी जमीन, नदी के किनारे, सड़क या वन भूमि पर बना है तो अतिक्रमण माना जाता है। सुप्रीम कोर्ट 2024 में भी कह चुका है कि 'धर्म के नाम पर अतिक्रमण जायज नहीं हो सकता '। **भारत का रुख-**

भारत हर बार कहता है कि ये भारत का आंतरिक मामला है। विदेश मंत्रालय कहता है कि पाकिस्तान को अपने यहां अल्पसंख्यकों की हालत देखनी चाहिए, जहां मंदिरों और चर्चों पर हमले होते हैं।

पाकिस्तान पीएम का ये बयान 'बेवजह' नहीं लगता, लेकिन उसका मकसद धार्मिक भावना से ज्यादा कूटनीति और घरेलू राजनीति से जुड़ा है।

ये बयान भारत में कार्रवाई रोकने के लिए नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को घेरने और पाकिस्तान में राजनीतिक फायदा लेने के लिए दिया जाता है।

अन्ततः भारत ने पाक राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के दावे को पूरी तरह से खारिज कर दिया है जिसमें उन्होंने भारत में प्राचीन मस्जिदें गिराये जाने की बात कही थी। भारत ने कहा कि उन्हें भारत के अंदरुनी मामलों में दखल नहीं देना चाहिए, और उनके बयान को महज़ एक राजनैतिक स्टंट करार दिया। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अपनी पोस्ट में भारत में ऐतिहासिक मुस्लिम धार्मिक स्थलों को गिराए जाने और इससे जुड़ी धमकियों पर चिंता जताई थी।

भुखमरी के खिलाफ आखिर कब जंग जीतेगी दुनिया?

आधुनिक विज्ञान के इस युग में मानव ने अपने जीवन को सुखमय बनाने के लिए विलासिता की हर छोटी-बड़ी वस्तु का आविष्कार कर लिया है और जीवन को लगातार अधिक सुविधाजनक बनाता जा रहा है। लेकिन शरीर को तंदुरुस्त रखने के लिए पेट की भूख मिटाने वाली कोई चमत्कारी गोली आज तक नहीं खोजी जा सकी है। यही कारण है कि भोजन की आवश्यकता की पूर्ति के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म करना पड़ता है। आधुनिक विज्ञान के इस युग में जब हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है, तब कृषि क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा। वैज्ञानिक तकनीकों और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने से दुनिया के अनेक देशों में फसलों की बंपर पैदावार हो रही है। इससे न केवल किसान समृद्ध हो रहे हैं, बल्कि देश भी आर्थिक रूप से मजबूत बन रहे हैं। किंतु यह विडंबना ही है कि खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि के बावजूद आज भी दुनिया के कई देशों में लोग भयावह भुखमरी के बीच जीवन जीने को मजबूर हैं। यह स्थिति किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को भीतर तक व्यथित कर देती है।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार आधा दर्जन देशों में भुखमरी की स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि लोगों को एक समय का शुद्ध और पौष्टिक भोजन भी नसीब नहीं हो पा रहा है। विश्व के लगभग 50 देशों में करीब 30 करोड़ लोगों को एक वक्त का भोजन भी बड़ी मुश्किल से उपलब्ध हो पाता है और वे अक्सर खाली पेट रात गुजारने को विवश रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार दुनिया की लगभग 8.5 प्रतिशत आबादी, अर्थात करीब 70 करोड़ लोगों को भरपेट और पौष्टिक भोजन उपलब्ध नहीं हो पाता, जिसके कारण कुपोषण की समस्या लगातार विकराल रूप धारण करती जा रही है। दुनिया के अधिकांश देश विकसित, विकासशील और प्रगतिशील राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल होने की होड़ में लगे हुए हैं, लेकिन उनके भीतर युद्ध, अकाल, सूखा, अतिवृष्टि, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता और कमजोर खाद्य वितरण प्रणाली जैसी समस्याओं के कारण गरीबी, भुखमरी और कुपोषण लगातार बढ़ रहे हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले भारत की स्थिति का आकलन भी वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2025 की रिपोर्ट से किया जा सकता है, जिसमें 123 देशों में भारत का स्थान 102वां बताया गया है। यह स्थिति दर्शाती है कि देश में आज भी करोड़ों लोगों को पर्याप्त और पौष्टिक भोजन उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। भारत कृषि प्रधान देश है और कृषि को उसकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोगों का भोजन से वंचित रहना चिंता और आत्ममंथन का विषय है। केंद्र और राज्य सरकारें गरीब एवं वंचित वर्गों के लिए अनेक खाद्यान्न योजनाएं संचालित कर रही हैं। इन योजनाओं का लाभ लाखों-करोड़ों जरूरतमंदों तक पहुंच रहा है, फिर भी यदि भुखमरी और कुपोषण की समस्या बनी हुई है तो कहीं न कहीं खाद्यान्न वितरण प्रणाली में मौजूद कमियों को दूर करने की आवश्यकता है। साथ ही समाज और नागरिकों को भी भोजन तथा अन्न की बर्बादी रोकने के लिए गंभीरता से विचार करना होगा। भोजन की बर्बादी के मामले में भारत विश्व के अग्रणी देशों में गिना जाता है। एक सर्वेक्षण के अनुसार देश में हर वर्ष 8 करोड़ टन से अधिक भोजन बर्बाद हो जाता है। यदि दृढ़ इच्छाशक्ति और प्रभावी प्रबंधन के साथ इस बर्बादी को रोका जाए तो देश में कुपोषण और भुखमरी की स्थिति में काफी हद तक सुधार संभव है।

विश्व से भुखमरी समाप्त करने के लिए वैश्विक महाशक्तियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को भी अपने आर्थिक और सामरिक हितों से ऊपर उठकर सोचना होगा। हथियारों के सौदों पर अरबों-खरबों डॉलर खर्च करने के बजाय विश्व शांति और खाद्य सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जिन देशों में भुखमरी के हालात गंभीर हैं, वहां मानवीय आधार पर खाद्यान्न और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें बदहाली से उबारने का प्रयास किया जाना चाहिए। मानव जाति का यह दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि एक ओर दुनियाभर की सरकारें सुरक्षा और शांति के नाम पर हथियारों के विशाल भंडार तैयार कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर युद्ध और संघर्षों के कारण पर्यावरण, जलवायु और प्राकृतिक संसाधनों को भारी नुकसान पहुंच रहा है। परिणामस्वरूप कहीं अकाल, कहीं सूखा, कहीं बाढ़ और कहीं अन्य प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं, जो अंततः भुखमरी की समस्या को और अधिक गंभीर बना रही हैं। दुनिया के देश हथियारों के बल पर सीमाओं की जंग तो जीत सकते हैं, लेकिन अपने ही नागरिकों के पेट की भूख के खिलाफ लड़ाई आखिर कब जीतेंगे? यह प्रश्न आज समूचे विश्व के सामने एक यक्ष प्रश्न बनकर खड़ा है। जब तक दुनिया की प्राथमिकताओं में मानव जीवन, खाद्य सुरक्षा और मानवीय संवेदनाएं सर्वोच्च स्थान प्राप्त नहीं करेंगी, तब तक भुखमरी के खिलाफ यह जंग अधूरी ही रहेगी।

अरविंद रावल

व्याधियों को घटाने तथा उत्तम स्वास्थ्य से जुड़ने का विज्ञान

गुणवत्तापूर्ण मानव जीवन और दीर्घायु पूरी तरह से उत्तम स्वास्थ्य पर टिका है। लेकिन आज की बदलती जीवनशैली, मिलावटी खान-पान, मानसिक तनाव, शारीरिक निष्क्रियता, बढ़ता स्क्रीन टाइम और प्रदूषण इंसानी शरीर को बीमारियों का घर बना रहे हैं। ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में योग केवल एक शारीरिक व्यायाम के रूप में नहीं, बल्कि निरोगी काया और मानसिक शांति प्राप्त करने की एक समग्र व निःशुल्क वैज्ञानिक पद्धति के रूप में हम सबके सामने है। संस्कृत की 'यु' धातु से उत्पन्न 'योग' शब्द का सीधा अर्थ है-जोड़ना, समन्वय स्थापित करना या एकाकार होना। योग का अंतिम लक्ष्य केवल तात्कालिक तौर पर बीमारियों को दूर करना नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच ऐसा सुदृढ़ संतुलन स्थापित करना है, जिससे व्यक्ति दीर्घायु और पूर्ण स्वास्थ्य की ओर अग्रसर हो सके।

आमतौर पर स्वास्थ्य का आकलन केवल रोगों की अनुपस्थिति से किया जाता है, जिसे संकुचित दृष्टिकोण कहा जा सकता है। जबकि वास्तविक स्वास्थ्य का दायरा कहीं अधिक व्यापक है। पूर्ण रूप से स्वस्थ होने का अर्थ है,शरीर में असीम ऊर्जा, मन में गहरी शांति, विचारों में स्पष्टता और जीवन में आनंद की अनुभूति। योग इसी मूल सिद्धांत पर काम करता है। यह एक तरफ जहां शरीर से विकारों को घटाता है, तो दूसरी ओर जीवनी शक्ति को बढ़ाता है। आजकल मानव जीवन की आम समस्याएँ है तनाव, मोटापा, उच्च रक्तचाप, अनिद्रा, शारीरिक जकड़न और कमजोर पाचन तंत्र। इन्हें सीधे तौर पर हमारी अव्यवस्थित दिनचर्या से जोड़ा जा सकता हैं। योग इन समस्याओं के लक्षणों को दबाने के बजाय उनके मूल कारणों पर प्रहार करता है, यही इसकी प्रमुख विशेषता है। वैज्ञानिक शोध भी पुष्टि करते हैं कि नियमित योगाभ्यास सेः?शरीर का लचीलापन और कार्यक्षमता बढ़ती है;?श्वसन तंत्र मजबूत होता है और ऑक्सीजन का प्रवाह बेहतर होता है;? तनाव का स्तर घटता है तथा भावनात्मक नियंत्रण विकसित होता है।

योग विशिष्ट इस लिए है कि वह स्वास्थ्य को एक सतत निर्माण प्रक्रिया मानता है। जिस तरह भोजन से शरीर को पोषण मिलता है, ठीक उसी तरह योग से तन और मन को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। इस प्रक्रिया को योग के निम्न चार मुख्य चरणों से समझा जा सकता हैः (1)योगासन (शारीरिक सुदृढ़ता)ः यह शरीर को सक्रिय, लचीला और फुर्तीला बनाकर मांसपेशियों व जोड़ों को मजबूती प्रदान करता है।

(2) प्राणायाम (प्राण वायु का नियमन):श्वांस और मन को नियंत्रित कर आंतरिक ऊर्जा का संचार करता है।

(3) ध्यान (मानसिक सजगता)ः यह व्यक्ति को वर्तमान क्षण में जीना सिखाता है, जिससे मानसिक स्पष्टता बढ़ती है और अवसाद व चिंता से मुक्ति मिलती है।

(4) अनुशासित जीवनचर्याः योग केवल आसन , ध्यान तक सीमित नहीं है; इसके अंतर्गत सात्विक भोजन, नियमित दिनचर्या, पर्याप्त विश्राम और संयमित आचरण भी अनिवार्य हिस्सा हैं।

अक्सर लोग गंभीर बीमारी की चपेट में आने के बाद योग का रुख करते हैं, जो सीमित समझ को दर्शाता है। योग की वास्तविक शक्ति 'बचाव और संवर्धन' में है। यह व्यक्ति को अपने शरीर के संकेतों को समझने योग्य बनाता है और स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करता है। यद्यपि योग गंभीर आपातकालीन चिकित्सा का विकल्प नहीं है, लेकिन उचित चिकित्सकीय परामर्श के साथ इसका अभ्यास असाध्य रोगों में भी संजीवनी का कार्य कर सकता है।

संक्षेप में कहें तो, योग शरीर से व्याधियों को घटाने और जीवन में उत्तम स्वास्थ्य जोड़ने की एक निरंतर चलने वाली साधना है। यह हमें सिखाता है कि स्वास्थ्य केवल बीमारी का न होना नहीं, बल्कि तन, मन और व्यवहार का समन्वित विकास है। यदि योग को रोजमर्रा की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बना लिया जाए, तो यह बीमारियों के विरुद्ध एक मजबूत सुरक्षा कवच और दीर्घायु जीवन के लिए सबसे बेहतरीन स्थायी निवेश सिद्ध हो सकता है।

प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश

दैनिक राशिफल

मेष आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार के साथ समय सुखद रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ धैर्य और समझदारी से काम लें। धन संबंधी मामलों में लाभ के योग हैं। नौकरी में वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक विवादों से बचें।

मिथुन नए संपर्क लाभदायक सिद्ध होंगे। व्यापार में उन्नति के संकेत हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं।

कर्क भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। नौकरी और व्यापार में सफलता के अवसर मिलेंगे। सम्मान में वृद्धि होगी।

कन्या आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। खर्चों पर नियंत्रण आवश्यक है। करियर में नई संभावनाएं सामने आ सकती हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

तुला साझेदारी के कार्यों में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा।

वृश्चिक कार्यस्थल पर प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। मेहनत और लगन से सफलता मिलेगी। शत्रु पक्ष कमजोर रहेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। शिक्षा और करियर के क्षेत्र में शुभ समाचार मिल सकता है। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा।

मकर घर-परिवार से जुड़े मामलों में व्यस्तता रहेगी। संपत्ति संबंधी कार्यों में लाभ हो सकता है। नौकरी में स्थिरता बनी रहेगी।

कुंभ संचार और संपर्क से लाभ मिलेगा। छोटे भाई-बहनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। यात्रा शुभ रहेगी।

मीन आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

करियर राशिफल (22 जून 2026)

मेष, सिंह, धनुः पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के योग।

वृषभ, कन्या, मकरः मेहनत का फल मिलेगा, आर्थिक लाभ संभव।

मिथुन, तुला, कुंभः नए संपर्क और नेटवर्किंग से करियर में फायदा।

कर्क, वृश्चिक, मीनः धैर्य और एकाग्रता से कार्य करने पर सफलता मिलेगी।

अमेरिकी-ईरान समझौते का सबसे बड़ा अवरोध, इजरायल की हमलावर नीति।

विगत दिनों अमेरिका ईरान के बीच एक लंबा समझौता हुआ, समझौते में यह स्पष्ट हो गया था कि स्टेट ऑफ हारमोंस को ईरान द्वारा खोल दिया जाएगा किंतु फिर इजरायल द्वारा लेबनान में इस समझौता के बाद लगातार हमले किए गए जिससे लेबनान में फिर तबाही मच गई है और इस हमले के परिणाम स्वरूप ईरान ने स्टेट आफ हारमोंस को फिर बंद कर दिया है और यह भी शर्त रख दी है जब तक इसराइल लेबनान पर हमले करते रहेगा तब तक स्टेट ऑफ हारमोंस भी बंद रहेगा। ईरान लंबे समय से लेबनान के हिज़्बुल्लाह को अपना प्रमुख रणनीतिक सहयोगी मानता आया है। यह संबंध केवल वैचारिक नहीं, बल्कि सुरक्षा और क्षेत्रीय प्रभाव से भी जुड़ा है। यदि इज़राइल लेबनान में व्यापक सैन्य अभियान चलाता है, तो तेहरान इसे अपने प्रभाव क्षेत्र पर सीधी चुनौती के रूप में देख सकता है। ऐसी स्थिति में ईरान के लिए मौन रहना भी कठिन होगा और प्रत्यक्ष युद्ध में उतरना भी जोखिमपूर्ण। दूसरी ओर अमेरिका की स्थिति और भी जटिल है। वह इज़राइल की सुरक्षा का सबसे बड़ा समर्थक है, परंतु वह यह भी जानता है कि यदि संघर्ष ईरान तक फैलता है, तो पूरा मध्य-पूर्व एक ऐसे युद्ध में बदल सकता है जिसकी आर्थिक और राजनीतिक कीमत पूरी दुनिया को चुकानी पड़ेगी। तेल की कीमतों में उछाल, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट, वैश्विक महँगाई और ऊर्जा असुरक्षा ये सभी संभावित परिणाम अमेरिका की रणनीतिक चिंताओं का हिस्सा हैं।

कूटनीति का सबसे कठिन क्षण वही होता है जब मित्र राष्ट्र युद्ध चाहते हों और राष्ट्रीय हित शांति की माँग कर रहे हों। अमेरिका आज इसी द्वंद्व से गुजरता दिखाई देता है। एक ओर वह इज़राइल का विश्वास खोना नहीं चाहता, दूसरी ओर ईरान के साथ संवाद के दरवाज़े भी पूरी तरह बंद नहीं करना चाहता। यही संतुलन आने वाले समय की सबसे कठिन कूटनीतिक परीक्षा है।

ईरान भी आज वैसा नहीं है जैसा चार दशक पहले था। आर्थिक प्रतिबंधों ने उसकी अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डाला है। युवा पीढ़ी बेहतर जीवन, रोजगार और वैश्विक अवसरों की अपेक्षा रखती है। ऐसे में अमेरिका के साथ किसी संभावित समझौते का अर्थ केवल प्रतिबंधों में राहत नहीं, बल्कि आर्थिक पुनर्जीवन भी है। इसलिए तेहरान के लिए युद्ध और संवाद–दोनों के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती है। इतिहास बताता है कि शांति और संघर्ष साथ-साथ चलते हैं। शीत युद्ध के दौर में भी परमाणु प्रतिस्पर्धा के बीच हथियार नियंत्रण संधियाँ हुई

विश्व राजनीति का इतिहास इस सत्य का साक्षी है कि युद्ध कभी केवल रणभूमि में नहीं लड़े जाते, वे सभ्यताओं की चेतना, अर्थव्यवस्थाओं की धड़कनों और कूटनीति की मेज़ों पर भी अपने गहरे निशान छोड़ जाते हैं। जब किसी सीमा पर पहला गोला दागा जाता है, उसी क्षण अनेक समझौतों की नींव भी हिलने लगती है। आज मध्य-पूर्व पुनः उसी मोड़ पर खड़ा है, जहाँ एक ओर अमेरिका और ईरान के बीच वर्षों से जमे अविश्वास को संवाद के माध्यम से कम करने की कोशिशें दिखाई देती हैं, तो दूसरी ओर इज़राइल और लेबनान के बीच बढ़ता सैन्य तनाव पूरे क्षेत्र को व्यापक युद्ध की ओर धकेलता प्रतीत हो रहा है।

सवाल यह नहीं कि युद्ध होगा या नहीं वास्तविक प्रश्न यह है कि यदि युद्ध की आग और भड़कती है, तो क्या अमेरिका और ईरान के बीच बनती हुई कूटनीतिक संभावनाएँ उसी आग में भस्म हो जाएँगी? मध्य-पूर्व केवल भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन की धुरी है। विश्व की ऊर्जा आपूर्ति, सामरिक समुद्री मार्ग, धार्मिक आस्थाएँ और महाशक्तियों के रणनीतिक हित–सब यहाँ एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इसीलिए यहाँ की हर सैन्य घटना का प्रभाव वाशिंगटन, मॉस्को, बीजिंग, ब्रुसेल्स और नई दिल्ली तक महसूस किया जाता है। कई बार युद्ध ने वार्ता को जन्म दिया और कई बार वार्ता युद्ध को रोकने में असफल रही। इसलिए यह मान लेना कि इज़राइल-लेबनान संघर्ष शुरू होते ही अमेरिका-ईरान समझौता समाप्त हो जाएगा, राजनीतिक यथार्थ का अत्यधिक सरलीकरण होगा। यह भी उतना ही सत्य है कि यदि संघर्ष सीमित न रहकर क्षेत्रीय युद्ध का रूप ले लेता है, यदि हिज़्बुल्लाह, ईरान और अन्य क्षेत्रीय शक्तियाँ प्रत्यक्ष रूप से इसमें उतरती हैं, तो अमेरिका-ईरान संबंधों में अविश्वास की खाई और गहरी हो सकती है। तब कूटनीति की भाषा बारूद के शोर में दब जाएगी।।आज का विश्व बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। चीन अपने आर्थिक और सामरिक प्रभाव का विस्तार कर रहा है, रूस पश्चिमी दबावों का प्रतिरोध कर रहा है और यूरोप ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंतित है। ऐसे समय में मध्य-पूर्व का कोई भी बड़ा युद्ध केवल क्षेत्रीय संकट नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन को प्रभावित करेगा। यही कारण है कि विश्व की लगभग सभी प्रमुख शक्तियाँ युद्ध के विस्तार को रोकने में रुचि रखती हैं।

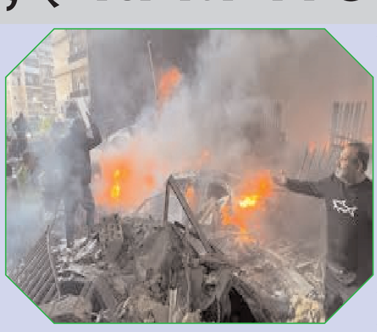

सबसे अधिक चिंता उस आम नागरिक की है जिसका न तो युद्ध से कोई लाभ है और न ही सत्ता की महत्वाकांक्षाओं से कोई संबंध। युद्ध की हर लपट सबसे पहले निर्दोष बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और विस्थापित परिवारों को अपनी चपेट में लेती है। इतिहास की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि निर्णय शासक लेते हैं और मूल्य समाज चुकाता है। भारत जैसे देशों के लिए भी यह संकट अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा भाग पश्चिम एशिया से जुड़ा है। वहाँ रहने वाले लाखों भारतीयों की सुरक्षा, व्यापारिक हित और समुद्री मार्गों की स्थिरता भारत की विदेश नीति के प्रमुख आयाम हैं। इसलिए भारत निरंतर संयम, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करता आया है। यही नीति आज भी सबसे व्यावहारिक और दूरदर्शी प्रतीत होती है।

अब यह माना जा सकता है कि इज़राइल का लेबनान पर आक्रमण अमेरिका-ईरान संबंधों को गंभीर रूप से प्रभावित अवश्य करेगा, परंतु किसी भी संभावित समझौते का भविष्य केवल युद्ध नहीं, बल्कि उससे उत्पन्न राजनीतिक निर्णय तय करेंगे। यदि विवेक, संयम और कूटनीति को प्राथमिकता मिली, तो संवाद जीवित रहेगा। यदि प्रतिशोध, विस्तारवाद और शक्ति-प्रदर्शन हावी रहे, तो समझौतों की मेज़ें फिर वर्षों तक सूनी पड़ सकती हैं। मानव सभ्यता को यह स्वीकार करना होगा कि स्थायी शांति मिसाइलों के भंडार से नहीं, बल्कि विश्वास के निर्माण से आती है। हथियार भय पैदा कर सकते हैं, सम्मान नहीं; युद्ध सीमाएँ बदल सकते हैं, इतिहास नहीं; और कूटनीति ही वह सेतु है, जिस पर चलकर शत्रु भी भविष्य के साझेदार बन सकते हैं। आज मध्य-पूर्व केवल युद्ध के कगार पर नहीं खड़ा है, बल्कि मानवता की सामूहिक बुद्धिमत्ता की परीक्षा के सामने भी खड़ा है। आने वाले दिनों में लिए जाने वाले निर्णय यह तय करेंगे कि इतिहास आने वाली पीढ़ियों को बारूद की विरासत देगा या संवाद की संस्कृति।

संजीव ठाकुर

स्वामी– स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

योग मन,शरीर और आत्मा को जोड़ने का विज्ञान- सिद्धार्थ सिंह

लालगंज,रायबरेली। कस्बे के बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा योग शिविर का आयोजन किया गया जो प्रशिक्षित खेल अध्यापकों के दिशा निर्देशन में संपन्न हुआ। विद्यालय के प्रबंध निदेशक सुनील सिंह ने कहा कि योग के द्वारा शारीरिक गतिविधियों पर नियंत्रण कर हम अपना जीवन निरोगी बना सकते हैं इसलिए सभी को चाहिए कि प्रशिक्षित योग शिक्षक से सलाह लेकर ही शरीर को फिट रखने वाले योग करें। प्रबंधक शांतनु ने कहा कि निश्चय ही योग और खेलों का शारीरिक,मानसिक और सामाजिक क्षेत्र में अपना विशेष महत्व है इसलिए छात्र जीवन में तो योग और खेलों का नियमित रूप से अभ्यास करना चाहिए। 21 जून 2026 दिन रविवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल लालगंज में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं अपने शरीर को फिट रखने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रातः सामूहिक योग सत्र में छात्र, शिक्षक,अभिभावकों ने भी उत्साह पूर्वक भाग लिया। विद्यालय के खेल व योग प्रशिक्षक ओमशिव यादव व विनीत सिंह ने सूर्य नमस्कार, ताड़ासन,हलासन,नौकासन, भुजंगासन,शीर्षासन आदि आदि योगिक आसनों के साथ-साथ प्राणायाम और ध्यान की विधियों का प्रदर्शन कर सभी को उनके द्वारा होने वाले लाभों के बारे में बताया।इस अवसर पर योग शिविर कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों को योग के प्रति जागरूक करते हुए प्रशासनिक सचिव सिद्धार्थ सिंह ने कहा योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि मन,शरीर और आत्मा को जोड़ने का विज्ञान है,यह हमें तनाव मुक्त जीवन जीने और स्वस्थ समाज बनाने की प्रेरणा देता है इसलिए आप सभी को योग को जन-जन तक पहुंचना चाहिए ताकि एक स्वस्थ और सकारात्मक समाज का निर्माण हो सके।इस अवसर पर प्रधानाचार्य अभिषेक रंजन,रविंद्र सिंह,नीरज सिंह, विष्णु सिंह,प्रशांत दुबे, अविनाश साहू,संदीप सिंह के साथ-साथ छात्रों ने भी योग शिविर में सहभागिता की।यह जानकारी बीएमपीएस के जनसंपर्क अधिकारी यशबहादुर यादव ने दी।

किसी भी सूरत में गलत लोगों और गलत कामों में साथ नहीं देना चाहिए: हाशमी

खैराबाद सीतापुर- स्थानीय दरगाह हाफिज असलम मियां में मजलिस को संबोधित करते हुए ज़ाकिर सैय्यद फुरकान मियां ने कहा कि हमें किसी भी सूरत में गलत इंसान और गलत कामों में ना तो मदद करनी चाहिए और ना ही उन कामों को करने वालों से कोई मामला रखना चाहिए इसके लिए भले ही अपनी जान की बाज़ी ही क्यों न लगानी पड़े लेकिन सच और झूठ में कोई मेल नहीं हो सकता यह बात 10 दिवसीय मजलिसे मोहर्रम के क्रम में पांचवें दिन श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जाकिर अलहाज सैयद फुरकान मियां हाशमी ने कही। हाशमी ने वाकया कर्बला के संबंध में बताया कि सन 61 हिजरी में तीन मोहर्रम को मक़ामे नैनवा जो आज कर्बला के नाम से जाना जाता है के मैदान में हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों तथा परिवार के खेमे लग गए थे ,और झूठ का साथ न देने के लिए एक साथ सच्चाई की जीत के लिए तैयार थे चार मोहर्रम से बातचीत का सिलसिला शुरू हो गया था याद रहे कि हज़रत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम बिल्कुल जंग करना नहीं चाहते थे और न ही इस ग़रज़ से वहां तशरीफ़ ले गए थे लेकिन वहां यज़ीद मलऊन की नियत ही खराब थी उस बदबख़्त ने सबसे पहले हजरत मुस्लिम बिन अकील को संदेश भेजा कि मेरे साथ हो जाओ और मेरे हाथ पर बैयत हो जाओ यानी मुझे अपना रहनुमा मान लो और हुसैन का साथ छोड़ दो इस पर हजरत मुस्लिम बिन अकील ने जवाब दिया कि हम ईमान वाले हैं और अहले बैत व औलाद ए रसूल का साथ किसी भी सूरत में छोड़ नहीं सकते हां इतना जरूर है की इनके लिए हम अपना सर कलम करवा सकते हैं और ऐसा ही हुआ की अहले बैत से मोहब्बत करने की सज़ा में यजीद ने आपका सर कलम करवा लिया और आप जामे शहादत पीकर जन्नती हो गए मारक ए कर्बला में शहीद होने वालों में सबसे पहला नाम हज़रत मुस्लिम बिन अकील का आता है यह शहादत हमें सबक देती है कि हम कभी भी गलत इंसान और गलत काम का साथ न देकर सच्चों का साथ दें फिर इसके लिए हमें चाहे जो कुर्बानी देनी पड़े इसके बाद ज़ाकिर सज्जादा नशीन हाजी सैय्यद फुरकान वहीद हाशमी ने मुल्क व मिल्लत के लिए दुआ की, इस अवसर पर सैकड़ो श्रद्धालु उपस्थित थे और वाकया कर्बला सुनकर सभी की आंखें आंसुओं से भरी हुई थी और रसूल के नवासे पर जुल्म करने वालों के लिए अल्लाह से बद्दुआ भी कर रहे थे।

कोडीनयुक्त कफ सीरप तस्करी कांड के मास्टरमाइंड शुभम और साथियों पर कसा गया शिकंजा- 35 करोड़ संपत्ति होगी कुर्क

● एसटीएफ ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में तीनों के खिलाफ बीएनएस की धारा 209 के तहत नया मुकदमा दर्ज कराया था।

Coden Mixx
Syrioup
Bloltsing to Pleener | nomettior

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सीरप तस्करी मामले में फरार चल रहे मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल और उसके सहयोगियों पर एसटीएफ ने शिकंजा अधिक कस दिया है। न्यायालय ने शनिवार को शुभम जायसवाल, वरुण सिंह और गौरव जायसवाल की संपत्ति कुर्क करने का आदेश दे दिया है। कोर्ट से आदेश मिलने के बाद एसटीएफ जल्द ही इनकी 35 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति कुर्क करेगी। इसमें मकान, फ्लैट, पुश्तैनी संपत्ति, दुकानें, वाहन और अन्य चल-अचल संपत्तियां शामिल हैं। आगामी सप्ताह में कुर्की की कार्रवाई शुरू की जाएगी। तीनों आरोपितों को पहले ही न्यायालय ने भगोड़ा घोषित किया है। गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी होने और कुर्की के नोटिस चस्पा करने के बावजूद आरोपित अदालत में हाजिर नहीं हुए। इसे अदालत की अवहेलना मानते हुए एसटीएफ ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में तीनों के खिलाफ बीएनएस की धारा 209 के तहत नया मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद न्यायालय ने शनिवार को संपत्ति कुर्क करने के आदेश जारी कर दिए। एसटीएफ मुख्यालय में तैनात निरीक्षक अंजनी कुमार पांडेय ने वर्ष 2024 में प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सीरप तस्करी के मामले में मुकदमा दर्ज कराया था। विवेचना के दौरान वाराणसी निवासी शुभम जायसवाल, वरुण सिंह और गौरव जायसवाल के नाम सामने आए थे। इसके बाद जांच में उन पर धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक साजिश और एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोप तय किए गए। चार फरवरी 2026 को विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस कोर्ट ने तीनों के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी किया था। उन्हें फरार घोषित कर निर्धारित अवधि में अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया, लेकिन हाजिर नहीं हुए।

16 आरोपित जा चुके हैं जेल

एसटीएफ इस मामले में अब तक बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह, अमित सिंह टाटा, विकास सिंह नर्वे, विभोर सिंह समेत 16 आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। कई आरोपितों के खिलाफ अलग-अलग चरणों में चार्जशीट भी दाखिल की जा चुकी है। वहीं जांच में 13 अन्य लोगों के नाम सामने आने के बाद कुल 16 आरोपितों की गिरफ्तारी अभी बाकी है।

क्या था मामला

एसटीएफ ने वर्ष 2024 में प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सीरप की तस्करी का भंडाफोड़ किया था। जांच में खुलासा हुआ था कि फर्जी दस्तावेजों और बिलों के सहारे बड़े पैमाने पर नशीले कफ सीरप की खरीद-फरोख्त की जा रही थी। आरोपितों पर अवैध सप्लाई चेन संचालित करने, फर्जी कागजात तैयार करने और कारोबार को छिपाने के आरोप हैं। एसटीएफ का मानना है कि गिरोह लंबे समय से कई राज्यों में नेटवर्क संचालित कर रहा था। अब फरार मास्टरमाइंड और उसके सहयोगियों की संपत्ति कुर्क होने के बाद जांच को और गति मिलने की उम्मीद है।

बाबा साहब के अस्थि कलश व प्रतीकों को हटाने के विरोध में आज होगी रणनीतिक बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में डॉ. भीमराव अंबेडकर महासभा परिसर, 10 विधानसभा मार्ग स्थित बाबा साहब के पावन अस्थि कलश, बुद्ध प्रतिमा, बोधि वृक्ष एवं अशोक स्तंभ सहित अन्य आस्था प्रतीकों को स्थानांतरित किए जाने के प्रस्ताव के विरोध में बहुजन एवं बौद्ध समाज की विभिन्न समितियों और सामाजिक संगठनों की एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक रविवार, 21 जून को आयोजित की जाएगी। बौद्ध-अंबेडकर समितियों एवं सामाजिक संगठनों (एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय) की ओर से जारी अपील में कहा गया है कि 14 अप्रैल 2026 को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर 10 विधानसभा मार्ग स्थित डॉ. अंबेडकर महासभा भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एक विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) द्वारा बाबा साहब के पावन अस्थि कलश, बुद्ध प्रतिमा, बोधि वृक्ष, अशोक स्तंभ आदि को जुलाई 2026 में ऐशबाग स्थित अंबेडकर ट्रस्ट भवन में स्थानांतरित करने संबंधी वक्तव्य दिया गया था। अपील में कहा गया है कि यह प्रस्ताव देश-विदेश में रहने वाले करोड़ों बौद्ध और अंबेडकर अनुयायियों की आस्था से जुड़ा विषय है तथा इससे जनभावनाएं आहत हुई हैं। इसी मुद्दे पर विचार-विमर्श एवं आगे की रणनीति तय करने के लिए समस्त बौद्ध-अंबेडकर समितियों, सामाजिक संगठनों तथा बुद्धिजीवी वर्ग के पदाधिकारियों की बैठक रविवार को सायं 4 बजे आनंद बुद्ध विहार, औरंगाबाद खालसा, बिजनौर रोड (रेलवे ओवरब्रिज के निकट), लखनऊ में बुलाई गई है। बैठक में अधिक से अधिक संख्या में समाज के प्रतिनिधियों से सहभागिता की अपील की गई है। इस संबंध में के.के. गौतम, बौद्धाचार्य नेक राम बौद्ध, राम कुमार गौतम, नीलिमा कुमारी, राम लगन सिंह यादव, जी.पी. भारती, बौद्धाचार्य वीर बहादुर बौद्ध, काशी प्रसाद, डॉ. देवेंद्र प्रताप यादव, प्रदीप तथा बी.पी.एस. कुशवाहा, रविंद्र कुमार , राजेश स्वरूप सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से लोगों से उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विद्यालयों में हुआ उत्साहपूर्ण आयोजन, बच्चों और शिक्षकों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जनपद लखनऊ के विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों में योग कार्यक्रमों का आयोजन बड़े उत्साह एवं उल्लास के साथ किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सामूहिक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। प्राथमिक विद्यालय अकड़ा बी.के.टी. में योग दिवस का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में बच्चों एवं शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर श्री शान्ति स्वरूप वर्मा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा, 'सभी करें योग, सदैव रहें निरोग।' उन्होंने योग को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का आधार बताते हुए नियमित योगाभ्यास करने की अपील की। इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय भिटौली, चिनहट, लखनऊ में भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। सहायक अध्यापिका श्रीमती रचना जी ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापिका श्रीमती आरती सिंह ने कहा कि योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर ही स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने सभी से नियमित योग करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित किया।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर 20 फीट ऊंचे पेड़ से नाले में गिरा मासूम

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के चिलौला गांव में रविवार को दोस्तों के साथ खेल रहा एक 10 वर्षीय बालक 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। करंट लगते ही वह करीब 20 फीट ऊंचे चिलबिल के पेड़ से नीचे पानी भरे नाले में जा गिरा। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। चिलौला गांव निवासी मयंक (10) पुत्र बाबादीन अपने साथियों अनमोल और लकी के साथ गांव के बाहर चिलबिल के पेड़ पर चढ़कर गुलहर खेल रहा था। इसी दौरान पेड़ के ऊपर से गुजर रही 11 केवी विद्युत लाइन के संपर्क में आने से उसे जोरदार करंट लग गया। करंट लगते ही मयंक संतुलन खो बैठा और लगभग 20 फीट की ऊंचाई से नीचे पानी भरे नाले में गिर पड़ा। घटना देखकर साथ खेल रहे बच्चों के होश उड़ गए। उन्होंने दौड़कर मयंक के परिवारीजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने आनन फानन घायल बालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां उसका उपचार चल रहा है। सीएचसी की इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक डॉ. गौरव पांडेय ने बताया कि घायल बालक की हालत फिलहाल स्थिर है।

विश्व योग दिवस पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा विशाल योग कार्यक्रम का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। विश्व योग दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उत्तर भाग के महाराजा सुहेलदेव नगर द्वारा श्रीराम शाखा पर भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्रीराम अकैडमी इंटर कॉलेज परिसर में संपन्न हुआ, जिसमें समाज के सैकड़ों नागरिकों, संघ के स्वयंसेवकों एवं पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं श्रीराम अकैडमी इंटर कॉलेज के प्रबंधक श्रवण मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत पुनः विश्व गुरु बनने की दिशा में अग्रसर है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि भारत की प्राचीन योग परंपरा, योग चिकित्सा एवं योग पद्धति को आज पूरा विश्व अपना रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वभर के लोग भारतीय सनातन संस्कृति और उसकी परंपराओं को जानने, समझने और अपनाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज को संगठित रहने की आवश्यकता है और योग इस दिशा में एक महत्वपूर्ण माध्यम सिद्ध हो रहा है। योग से तन, मन और मस्तिष्क स्वस्थ रहते हैं तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक इस कार्य को कुशलतापूर्वक समाज तक पहुंचा रहे हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह जिला बौद्धिक प्रमुख त्रियुगी नाथ, नगर संघ चालक संतोष, सह नगर संघ चालक श्यामू, भाग सद्भाव संयोजक सुधीर तथा नगर समरसता प्रमुख विनोद सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर समरसता प्रमुख विनोद ने उपस्थित सभी आगंतुकों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया तथा योग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण के संकल्प के साथ हुआ।

भारत स्काउट और गाइड, उ. प्र. जनपद लखनऊ द्वारा योग शिविर का आयोजन किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश भारत स्काउट और गाइड
जनपद - लखनऊ
विश्व योग दिवस
21 जून
भारत स्काउट और गाइड उ0प्र0

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में दिनांक 21 जून, 2026 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज दिनांक 21 जून, 2026 को भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश, जनपद लखनऊ के संपर्क कार्यालय - उदयाचल (क्वींस कालेज कैंपस) वाला कदर रोड, लखनऊ के प्रांगण में योग शिविर का आयोजन किया गया। योग शिविर का शुभारंभ संरक्षक डा. आर.पी. मिश्र, जिला मुख्यालय के डा. जे.पी. मिश्र द्वारा योग गुरू महर्षि पतंजलि की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन कर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जिला सचिव अनिल शर्मा ने बताया कि विख्यात योग गुरु श्री राजेश कुमार पांडे के निर्देशन में जिला संस्था के संरक्षक डा. आरपी मिश्र, जिला मुख्यायुक्त डा. जे.पी जिला सचिव अनिल शर्मा, मिश्र, डीओसी (गाइड) मधु हंसपाल, ट्रेनिंग काउंसलर स मिश्र एवं लगभग 50 रोवर्स/रेंजर्स ने योगाभ्यास किया। योगगुरु राजेश कुमार पांडेय ने योग की दिनचर्या में उपयोगी बताते हुए ग्रीवा संचालन, कटि संचालन, घुटना संचालन, असकंद संचालन, ताड़ासन, वृक्षासन, वज्रासन, सुप्त वज्रासन, अनुलोम विलोम, भ्रामरी व ध्यान आदि का अभ्यास कराया। इस अवसर पर संरक्षक डा. आर.पी. मिश्र ने योग को स्कूलों तक पहुंचाने के लिए जिला संस्था से स्काउट मास्टर/गाइड कैप्टन के लिए एक सप्ताह का योग शिविर आयोजित करने का किया आवाहन किया। जिला मुख्यायुक्त डा. जे.पी. मिश्र ने नियमित योगाभ्यास को स्वस्थ जीवन का मूलाधार बताया। कार्यक्रम के अंत में सचिव अनिल शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

विराम खंड-5 जन कल्याण समिति द्वारा योग शिविर का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में अतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विराम खंड-5 जन कल्याण समिति द्वारा अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद पार्क में एक योग शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में समिति के अध्यक्ष डॉ. भरत राज सिंह ने योग प्रशिक्षण प्रदान करते हुए उपस्थित निवासियों एवं समिति के सदस्यों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम तथा उनके स्वास्थ्यवर्धक लाभों की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. सिंह ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा तनाव एवं जीवनशैली संबंधी अनेक समस्याओं से मुक्ति मिलती है। उन्होंने सभी नागरिकों से योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया। योग शिविर में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने अत्यंत उत्साह एवं अनुशासन के साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष विजय चोपड़ा, संयुक्त सचिव प्रवीण कुमार मिश्रा, प्रचार सचिव मनोज शर्मा, संगठन सचिव प्रभात श्रीवास्तव, सचिव नित्यानंद पांडेय, कार्यकारिणी सदस्य राम प्रताप शर्मा, एस. बी.एल.मेहरोत्रा, आर.के. तिवारी, आनन्द प्रकाश, राजेंद्र तिवारी सहित कॉलोनी के अनेक वरिष्ठ नागरिक एवं निवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ, जागरूक एवं योगमय समाज के निर्माण के संकल्प के साथ किया गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में 16 वर्षीय किशोरी की मौत, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा खुलासा

महराजगंज/रायबरेली। थाना क्षेत्र के सलेथू गांव की 16 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका का शव रविवार को लगभग 4 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महराजगंज लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान गुड़िया (16 वर्ष) पुत्री अखिलेश निवासी सलेथू, महराजगंज के रूप में हुई है। परिजन उसे मृत अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे थे। किशोरी की अचानक हुई मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को दे दी गई है। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। फिलहाल मृत्यु के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महराजगंज के अधीक्षक डॉ. गणनायक पांडे ने बताया कि घटना लगभग शाम 4 बजे की है। मृत्यु के वास्तविक कारणों की जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग पूरे प्रकरण की जांच में जुटे हुए।

आदर्श ग्राम पंचायत ऐहार में योग शिविर का आयोजन, लोगों ने किया योगाभ्यास

योगाचार्य आनंद जी ने बताए योग के लाभ, सम्मानित किए गए प्रतिभागी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वतंत्र प्रभात www.swatantraprabhat.com जो लिखेगा, वही टिकेगा
ब्रेकिंग न्यूज़

लालगंज (रायबरेली)। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आदर्श ग्राम पंचायत ऐहार के आदर्श ऋषि आश्रम बालेश्वर मंदिर परिसर में योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रधान प्रतिनिधि राजेश फौजी के द्वारा कराया गया। शिविर में योगाचार्य आनंद जी ने उपस्थित लोगों को विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया और योग के महत्व तथा निरोगी जीवन में इसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने नियमित योग करने से शरीर और मन को मिलने वाले लाभों के बारे में बताया। कार्यक्रम में पहुंचे लोगों का गमछा व पट पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने योगाभ्यास में सहभागिता की। इस मौके पर पूर्व प्रधान रमेश कुमार वर्मा उर्फ खोरा, पूर्व प्रधान ओपी, लक्ष्मी शंकर, श्रीराम मास्टर, गिरीश शुक्ला, राजाराम, बीनू मिश्रा, महंत श्री सर्वेश्वर व्यास जी, बृजलाल तिवारी, प्रदीप लोधी, पिंटू साहू, भोला यादव, रजनू यादव, पिंटू बाजपेई, राम गोपाल गुप्ता, दिनेश वर्मा,राजू सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

वृहद जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले का आयोजन

● विधायक अदिति सिंह ने लाभार्थियों को वितरित किए प्रमाणपत्र व चाभियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकास खंड अमावा की ग्राम पंचायत लोधवामऊ स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में जिलाधिकारी के निर्देशन में वृहद जन कल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सदर विधायक अदिति सिंह ने पहुंचकर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा लाभार्थियों से संवाद कर योजनाओं की जानकारी ली। शिविर में आयुष्मान भारत योजना, पीएम सूर्य घर योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, ओडीओपी तथा मुख्यमंत्री आवास योजना सहित केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। पात्र लाभार्थियों का मौके पर ही पंजीकरण भी कराया गया। इस अवसर पर विधायक अदिति सिंह ने कहा कि सरकार की मंशा अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि रायबरेली के प्रत्येक नागरिक को सशक्त, स्वस्थ और आत्मनिर्भर बनाना सरकार का मुख्य उद्देश्य है। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया तथा विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन किए। निश्चय अभियान के अंतर्गत टीबी उन्मूलन को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। विधायक ने निश्चय किट का वितरण करते हुए लोगों से समय पर जांच एवं उपचार कराने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान आरओ वाटर कूलर का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को उनके आवास की चाभियां सौंपी गईं तथा दो नए पात्र लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। स्वयं सहायता समूह की एक सदस्य को ग्राम संगठन के माध्यम से उपलब्ध कराए गए ट्रैक्टर की चाभी भी सौंपी गई। इसके अलावा अन्नप्राशन एवं गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुष्टाहार वितरित किया गया। रात्रि चौपाल में खंड विकास अधिकारी संदीप सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी ऋचा सिंह, अंजू यादव, संजय सिंह, संगीता देवी, एडीओ सहकारिता राजन सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष अमावा ऋषि सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, ग्राम प्रधान एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगमय हुआ मोहनलालगंज ब्लॉक परिसर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज/लखनऊ। बारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को विकासखंड मोहनलालगंज परिसर में भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। खंड विकास अधिकारी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यालय स्टाफ, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, मनरेगा, पंचायतीराज विभाग के कर्मचारी तथा विभिन्न ग्राम पंचायतों से आए नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योगाभ्यास किया। पूरे ब्लॉक परिसर में योग के प्रति जागरूकता और स्वास्थ्य चेतना का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खंड विकास अधिकारी शिवकुमार ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा को संतुलित करने की एक प्राचीन एवं वैज्ञानिक पद्धति है। उन्होंने योग के यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, ध्यान और धारणा जैसे विभिन्न अंगों की जानकारी देते हुए बताया कि नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को शारीरिक एवं मानसिक रोगों से दूर रखता है तथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। योग प्रशिक्षक के निर्देशन में उपस्थित प्रतिभागियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, वज्रासन, भुजंगासन, उष्ट्रासन, शशांकासन, मकरासन, उत्तानपादासन, मंडूकासन, पवनमुक्तासन सहित अनेक योगासनों का अभ्यास किया।

इसके पश्चात विभिन्न प्राणायामों और ध्यान क्रियाओं का भी अभ्यास कराया गया। योग सत्र के दौरान प्रशिक्षकों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नियमित योग करने का संकल्प भी दिलाया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने अपने स्वास्थ्य एवं समाज के कल्याण की कामना करते हुए सामूहिक योग किया। उल्लेखनीय है कि विकासखंड क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों में 15 जून से योग अभ्यास कार्यक्रम संचालित किए जा रहे थे, जिनका समापन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को सामूहिक योगाभ्यास के साथ किया गया। योग शिविर ने लोगों को स्वस्थ, निरोग और संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा प्रदान की।

समाजसेवी व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अभिनव राजा भार्गव ने ग्रामीणों की समस्याए सुन किया संवाद

बिसवां, सीतापुर। ग्राम पंचायत क्योंटी बादुल्ला में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अभिनव राजा भार्गव ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनसे संवाद किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर अभिनव राजा भार्गव ने कहा कि वे जनता के सुख-दुख में सदैव साथ खड़े रहेंगे तथा क्षेत्र के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता जनता की समस्याओं को समझकर उन्हें उचित मंच तक पहुंचाना है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. करीम अंसारी ने किया। इस दौरान काशीराम भार्गव, विजय अवस्थी, हयात कौसर, अखलाक, हाफिज अतीकुर्रहमान, सिराज अहमद, रामखेलावन भार्गव, निर्मल यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

यमुनापार में अतिक्रमण से हाहाकारः सड़कों पर जाम, फुटपाथों पर कब्जा, पैदल चलना भी मुश्किल

दिल्ली। यमुनापार में सड़कों, फुटपाथों और सर्विस लेन पर बढ़ते अतिक्रमण ने यात्रियों और पैदल राहगीरों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कई इलाकों में अतिक्रमण से सड़कें सिकुड़ने से रोजाना जाम की स्थिति बन रही है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद निगम प्रशासन की शह पर अवैध कब्जे लगातार जारी हैं, जिससे यातायात व्यवस्था चरमरा रही है। पैदल यात्री सड़क पर हर समय हादसे की जद में रहते हैं। लक्ष्मी नगर, मंडावली, शाहदरा, कृष्णा नगर और गणेश नगर समेत कई इलाकों में सड़कों और फुटपाथों पर अतिक्रमणकारियों का कब्जा बना हुआ है। स्थिति यह है कि पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ लगभग खत्म हो चुके हैं और उन्हें तेज रफ्तार वाहनों के बीच सड़क पर चलने को मजबूर होना पड़ रहा है। राहगीरों का कहना है कि प्रशासन की आंखों के सामने अतिक्रमण बढ़ रहा है, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। गीता कालोनी के पास पटपड़गंज रोड पर वाहन शोरूम संचालकों ने फुटपाथ और सर्विस लेन को ही प्रदर्शन स्थल बना दिया है। दुकानों के बाहर बिक्री के लिए बड़ी संख्या में वाहन खड़े रहते हैं, जिससे पैदल यात्रियों की आवाजाही बाधित हो रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन की मिलीभगत से सड़क किनारे यह कारोबार फल-फूल रहा है, जो आम लोगों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गया है। विकास मार्ग, जिसे यमुनापार की मॉडल सड़क माना जाता है, अतिक्रमण और अवैध पार्किंग के कारण बदहाल हो चुकी है। लक्ष्मी नगर से कड़कड़ी मोड़ तक चार लेन वाली सड़क की दो लेनों पर अक्सर वाहनों का कब्जा रहता है। आसपास के दुकानदार और खरीदारी के लिए आने वाले लोग सड़क पर बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे रोजाना जाम की समस्या उत्पन्न होती है।वहीं, सर्विस लेन पर रेहड़ी-पटरी वालों के अतिक्रमण ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। मामले पर निगम आधिकारियों का कहना है कि सड़क पर अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया जाता है । अतिक्रमण पर आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में फौजी बनकर मकान मालिक से ठगी, गुरुग्राम से म्यूल खाता धारक गिरफ्तार

नई दिल्ली। किराए पर फ्लैट लेने के नाम पर एक मकान मालिक से 35 हजार ठगी करने के मामले में मध्य जिला के साइबर सेल थाना पुलिस ने म्यूल खाता धारक को गिरफ़्तार कर लिया है। ठग ने खुद को ''भारतीय सेना का सूबेदार'' बताकर पीड़ित का भरोसा जीत उन्हें चूना लगाया। ठगी की रकम इसी आरोपित के खाते में ट्रांसफर हुई थी। पुलिस ने आरोपित के पास से वारदात में इस्तेमाल मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया है। डीसीपी मध्य जिला रोहित राजबीर सिंह का कहना है कि करोल बाग में रहने वाले एक शख्स ने अपने फ्लैट को किराए पर देने के लिए एक आनलाइन प्रापर्टी पोर्टल पर विज्ञापन डाला था। तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया और खुद को इंडियन आर्मी का सूबेदार बताते हुए फ्लैट किराए पर लेने की इच्छा जताई। दोनों के बीच बातचीत के बाद सौदा पक्का हो गया। इसके बाद, ठग ने किराए के पैसे भेजने के बहाने मकान मालिक से उनकी यूपीआइ डिटेल्स मांगी और वेरिफिकेशन के लिए एक रुपये भेजने को कहा। जैसे ही पीड़ित ने ऐसा किया, ठग ने फोन पेय ऐप पर 35 हजार मांगने का अनुरोध भेजा। ठग ने झूठ बोला कि यह पैसे भेजने का लिंक है। पीड़ित झांसे में आ गया और जैसे ही उसने अपना यूपीआई पिन डाला, उनके खाते से 35 हजार कटकर जालसाज के खाते में चले गए। धोखा होने का अहसास होते ही पीड़ित ने तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी। साइबर सेल थाने के इंसेक्टर योगराज दलाल की टीम ने दिल्ली, हापुड़, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम में बड़े पैमाने पर तकनीकी और फील्ड जांच शुरू की। बैंक ट्रांजक्शन और डिजिटल फुटप्रिंट्स खंगालने पर पता चला कि ठगी की रकम केनरा बैंक के एक खाते में गई है, जो हिमांशु मोंडल के नाम पर है। इसके बाद पुलिस टीम ने 18 जून को गुरुग्राम के सेक्टर-सात में छापा मार हिमांशू मोंडल को गिरफ्तार कर लिया। वह गुरुग्राम का रहने वाला है। इसपर पहले का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

TMC के बैंक खातों में रखे 440 करोड़ रुपये फ्रीज; बागी विधायकों की शिकायत पर कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। बड़ी बगावत का सामना कर रही तृणमूल कांग्रेस के तीन बैंक खातों में रखे गए क़रीब 440 करोड़ रुपये की निकासी पर रोक लगा दी गई है। यह कार्रवाई पार्टी के बागी विधायकों की शिकायत पर हुई है, जिन्होंने इन पैसों के स्रोत की जाँच की मांग की थी। पहले से ही बगावत झेल रहीं ममता बनर्जी को अब इस कार्रवाई से एक और बड़ा झटका लगा है। इस ताज़ घटना से पार्टी में पैसे के लेन देन पर नियंत्रण को लेकर चल रही आंतरिक लड़ाई और भी तेज हो गई है। ऋतब्रत बनर्जी का गुट अब पार्टी के लेन देन में गड़बड़ी का आरोप लगा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्राइवेट सेक्टर के एक बैंक में रखे गए इन तीन खातों पर 'डेबिट फ्रीज' लगा दिया गया है। इसका मतलब है कि इन खातों से पैसे निकाले या बाहर ट्रांसफर नहीं किए जा सकते हैं। हालाँकि, इन खातों में पैसे जमा किए जा सकते हैं। यह कार्रवाई हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद पार्टी में चल रही टूट-फूट के बीच हुई है। ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में क़रीब 60 विधायकों ने बगवात की है। अब पार्टी के संगठन और पैसे पर नियंत्रण की कोशिश चल रही है। ऋतब्रत बनर्जी गुट के 10 विधायकों ने बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई है। इसमें एफआईआर दर्ज करने तथा पूरी जांच कराने की मांग की गई है।

शिकायत में इन बागी विधायकों ने पूछा है कि इन खातों में जमा इतना बड़ा पैसा कहाँ से आया? उन्होंने जाँच एजेंसियों से यह पता लगाने को कहा है कि क्या यह पैसा वैध स्रोतों से आया या कट-मनी, सरकारी फंड का गलत इस्तेमाल, घोटालों आदि गैरकानूनी गतिविधियों से जमा किया गया। बागियों की शिकायत की कॉपी में कहा गया है कि विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि गैरकानूनी गतिविधियों से पैसा जमा किया गया हो सकता है, जिसमें प्रभाव का दुरुपयोग, बेईमानी से वित्तीय लेन-देन और अवैध वसूली शामिल है। बाग़ी विधायकों की शिकायत से कुछ दिन पहले ही वरिष्ठ टीएमसी नेता अरूप विश्वास ने बैंक को चिट्ठी लिखकर खातों की सुरक्षा और ट्रांजेक्शन रोकने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि पार्टी के 500 करोड़ रुपये से ज़्यादा के जमा को तब तक किसी को ऑपरेट नहीं करने देना चाहिए, जब तक पार्टी में नेतृत्व विवाद सुलझ न जाए। बिस्वास ने खातों के मैनेजमेंट और कंट्रोल को लेकर चिंता जताते हुए उन्हें फ्रीज़ करने की मांग की थी, वहीं बागी विधायकों ने अब फंड के सोर्स की आपराधिक जांच की मांग की है। खास बात यह है कि ये शिकायतें उसी साइबर क्राइम थाने में की गई हैं, जहां पहले अरूप विश्वास के ख़िलाफ़ लियोनेल मेसी के कोलकाता दौरे वाले विवाद में केस चल रहा है।

मानसून की तैयारीः म्युनिसिपल कमिश्नर अलंकार ने बुड्ढा नदी का किया इंस्पेक्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- मानसून की तैयारियों को प्राथमिकता देते हुए, म्युनिसिपल कमिश्नर ओजस्वी अलंकार ने शनिवार को बुड्ढा नदी और आस-पास के इलाकों में फील्ड इंस्पेक्शन किया। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस सेल (ODM सेल) के संबंधित अधिकारियों के साथ फील्ड में जाकर, म्युनिसिपल कमिश्नर अलंकार ने बुड्ढा नदी की सफाई के चल रहे कामों का इंस्पेक्शन किया। इसके अलावा, बुड्ढा नदी पर रिटेनिंग वॉल और पुली बनाने के लिए चल रहे अलग-अलग प्रोजेक्ट्स का भी इंस्पेक्शन किया गया और कामों में तेज़ी लाने के लिए ज़रूरी निर्देश दिए गए। इंस्पेक्शन के दौरान सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर एकजोत सिंह, नोडल ऑफिसर रणदीप संडीला, SDO अर्जुन सिक्का और दूसरे अधिकारी मौजूद थे। इंस्पेक्शन के दौरान, म्युनिसिपल कमिश्नर अलंकार ने हैबोवाल डेयरी कॉम्प्लेक्स, एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ETP) वगैरह का भी इंस्पेक्शन किया। म्युनिसिपल कमिश्नर अलंकार ने कहा कि शहर से गुज़रने वाले ज़्यादातर सेक्शन में बुड्ढा नदी की सफ़ाई का काम पूरा हो चुका है। अधिकारियों को नदी के किनारे सभी ज़रूरी मशीनें/स्टाफ़ पहले से तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि मॉनसून के मौसम में ज़मीनी लेवल पर कोई दिक्कत न हो। अलंकार ने आगे कहा कि शहर की मेन सीवर लाइनों को भी सुपर सक्शन मशीनों से साफ़ किया जा रहा है और निचले इलाकों की पहचान कर ली गई है। बारिश के मौसम में पानी जमा होने से रोकने के लिए ज़रूरी कदम उठाए जा रहे हैं। शहर भर की सड़कों के रोड ग्रिड की सफ़ाई का काम भी तेज़ी से चल रहा है। म्युनिसिपल कमिश्नर अलंकार ने कहा कि शहर में मॉनसून की तैयारी के लिए सभी ज़रूरी कदम उठाए जा रहे हैं और ज़मीनी लेवल पर हालात का अंदाज़ा लगाने के लिए रेगुलर फ़ील्ड इंस्पेक्शन किए जा रहे हैं।

नीतीश कुमार बने JDU के राष्ट्रीय अध्यक्ष, उमेश कुशवाहा बने रहेंगे बिहार चीफ

पटना। जनता दल यूनाइटेड की राष्ट्रीय परिषद की महत्वपूर्ण बैठक समाप्त हो गई है। इस बैठक में सर्वसम्मति से नीतीश कुमार को पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने के प्रस्ताव पर अंतिम मुहर लगा दी गई है। इसके साथ ही, संगठनात्मक स्तर पर बड़ा फैसला लेते हुए उमेश कुशवाहा को बिहार प्रदेश अध्यक्ष के पद पर बरकरार रखने की मंजूरी दी गई है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और मंत्री मदन सहनी ने बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए इन फैसलों की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय परिषद ने उमेश कुशवाहा के नाम को सहर्ष स्वीकृति दी है। सहनी ने यह भी साझा किया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के बाद नीतीश कुमार एक बार फिर जनता के बीच अपनी नई 'बिहार यात्रा' पर निकलने वाले हैं। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और संगठन की जमीनी हकीकत को परखना होगा। निशांत कुमार ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमारी जिम्मेदारी अब पहले से कहीं अधिक है। पिताजी नीतीश कुमार ने राज्य के विकास के लिए जो ऐतिहासिक कार्य किए हैं, हम उन्हें लेकर सीधे जनता के पास जाएंगे। निशांत ने कहा कि हमारा एकमात्र लक्ष्य पूरे बिहार में संगठन को नए सिरे से मजबूत करना और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर आगे बढ़ना है।

वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 उत्साहपूर्वक मनाया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' थीम के तहत बड़े उत्साह और व्यापक जनभागीदारी के साथ मनाया गया। अस्पताल परिसर में आयोजित सामूहिक योग सत्र में 1,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिनमें संकाय सदस्य, रेजिडेंट डॉक्टर, नर्सिंग अधिकारी, विद्यार्थी, प्रशासनिक कर्मचारी तथा अन्य स्टाफ सदस्य शामिल रहे। यह संस्थान द्वारा आयोजित सबसे बड़े स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रमों में से एक रहा।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता शर्मा थीं। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चारू बांबा, वरिष्ठ मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. आर.पी. अरोड़ा, केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद सीसीआरवाईएन की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. सुजाता सहित वरिष्ठ संकाय सदस्य, विभागाध्यक्ष, स्वास्थ्यकर्मी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।अपने संबोधन में डॉ. कविता शर्मा ने योग को शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य और स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए एक समग्र जीवनशैली बताया। उन्होंने कहा कि योग न केवल रोगों की रोकथाम में सहायक है, बल्कि यह प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है, तनाव कम करता है और जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाता है। उन्होंने सभी स्वास्थ्यकर्मियों और नागरिकों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। योग सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने डॉ. सुजाता और उनकी टीम के मार्गदर्शन में कॉमन योगा प्रोटोकॉल (सीवाईपी) का अभ्यास किया। सत्र में विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान और विश्राम तकनीकों का अभ्यास कराया गया। विशेषज्ञों ने योग के वैज्ञानिक लाभों और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम में इसकी भूमिका के बारे में भी जानकारी दी।कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने कोलकाता से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण भी देखा और सुना।

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में स्वास्थ्य, सामंजस्य, आत्मबल और सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।योग सत्र के बाद अस्पताल परिसर में वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। निदेशक डॉ. कविता शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चारू बांबा और वरिष्ठ सीएमओ डॉ. आर.पी. अरोड़ा ने पौधारोपण कर अभियान की शुरुआत की। इस दौरान परिसर में कई पौधे लगाए गए, जो पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर.पी. अरोड़ा रहे, जिनके नेतृत्व और प्रयासों से आयोजन का सफल संचालन सुनिश्चित हुआ। आयोजन टीम ने विभिन्न विभागों की सहभागिता सुनिश्चित करने और कार्यक्रम को सुचारु रूप से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह आयोजन वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल की निवारक स्वास्थ्य सेवाओं, जनकल्याण, पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही, इसने आधुनिक स्वास्थ्य प्रणाली में पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियों के महत्व को भी रेखांकित किया।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाने, परिवार और समाज में स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देने तथा एक स्वस्थ, खुशहाल और टिकाऊ समाज के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया। 1,000 से अधिक प्रतिभागियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के लिए योग की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाया।

दिल्ली जल बोर्ड के खोदे गड्ढे में युवक की मौत पर परिवार को 30 लाख का मुआवजा दें, दिल्ली हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) द्वारा खोदे गए गड्ढे में गिरने से मरने वाले व्यक्ति के स्वजन को 30 लाख रुपये का मुआवजा देने का दिल्ली हाई कोर्ट ने आदेश दिया है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने कहा कि परिवार में कमाने वाले एकमात्र सदस्य की मौत से परिवार बहुत मुश्किल स्थिति में आ जाता है और रोजमर्रा का गुजारा भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे परिवारों को सरकारी अधिकारियों की लापरवाही के कारण हुई घटनाओं के लिए बुनियादी आर्थिक मदद पाने के लिए लंबे और महंगे कानूनी मुकदमे लड़ने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। उक्त तथ्यों को देखते हुए पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को 30 लाख रुपये की एकमुश्त रकम पाने के हकदार हैं। पीठ ने रिकॉर्ड पर लिया कि याची को डीजेबी से 50,000 रुपये मिल चुके हैं, ऐसे में डीजेबी को तीन महीने के भीतर याचिकाकर्ताओं को मुआवजा के तौर पर 29.50 लाख रुपये, घटना की तारीख से लेकर भुगतान मिलने की तारीख तक छह प्रतिशत सालाना की दर से साधारण ब्याज देने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा मरने वाले व्यक्ति की पत्नी, मां और तीन नाबालिग बच्चे 2019 में हुई घटना के बाद से ही मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। पीठ ने कहा कि डीजेबी लापरवाही के कारण हुई दुर्घटना के लिए अपने ठेकेदार को जिम्मेदार ठहराकर खुद नहीं बच सकता, लेकिन वह ठेकेदार से रिकवरी की कार्रवाई शुरू करने के लिए स्वतंत्र है। याचिका के अनुसार 17 और 18 अप्रैल 2019 की रात मृतक अपनी मोटरसाइकिल पर जा रहा था और ढिचाऊ कलां में डीजेबी कार्यालय के सामने पाइपलाइन की मरम्मत के काम के लिए खोदे गए गड्ढे में गिर गया था। कुछ दिनों बाद चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। डीजेबी का तर्क था कि खुदाई का काम एक तीसरे पक्ष ने किया था और गड्ढे के चारों ओर बैरिकेड लगाए गए थे। डीजेबी ने तर्क दिया कि दुर्घटना में मृतक की अपनी गलती भी हो सकती है। हालांकि, अदालत ने मृतक की लापरवाही के डीजेबी के दावे को ठुकराते हुए कहा कि बोर्ड की यह जिम्मेदारी थी कि वह सुनिश्चित करे कि सार्वजनिक सड़क पर खतरनाक खोदाई वाली जगह पर लगातार निगरानी और तुरंत इमरजेंसी रिस्पान्स के साथ सुरक्षा का पूरा इंतजाम हो। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में सरकार व संस्थान की जिम्मेदारी सिर्फ बैरिकेड लगाने तक ही सीमित नहीं रहती, बल्कि निगरानी और समय पर इमरजेंसी रिस्पान्स सुनिश्चित करना भी शामिल है। अदालत ने रिकॉर्ड पर लिया कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2023 में सड़क निर्माण या मरम्मत के काम के कारण हुई सड़क दुर्घटनाओं में 8,246 लोग घायल हुए और 3,904 लोगों की मौत हुई। अदालत ने कहा कि ऐसी घटनाएं अचानक या अनपेक्षित नहीं होतीं, बल्कि ये प्रशासनिक लापरवाही और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के काम के लिए जरूरी सुरक्षा उपायों को लागू न करने का नतीजा होती हैं। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में मुआवजा तेजी से देने के लिए एक व्यवस्थित और असरदार नीति तैयार करना होगा, ताकि पीड़ितों और उनके परिवारों को सही राहत पाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ने के बजाय तुरंत मदद मिले। उक्त टिप्पणी करते हुए अदालत ने संबंधित अधिकारियों सेएक उचित नीति बनाने की संभावना पर विचार करने निर्देश दिया।

यूरिया खाद के बिना इजाज़त स्टोरेज के खिलाफ FIR दर्ज - डॉ. दारा सिंह चीफ एग्रीकल्चर ऑफिसर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटियाला- एग्रीकल्चर और किसान भलाई डिपार्टमेंट पंजाब के डायरेक्टर डॉ. गुरजीत सिंह बराड़ की गाइडेंस और डिप्टी कमिश्नर पटियाला डॉ. हिमाशु अग्रवाल की काबिल लीडरशिप में चीफ एग्रीकल्चर ऑफिसर पटियाला डॉ. दारा सिंह की टीम किसानों के फायदे के लिए पटियाला जिले में लगातार चेकिंग कर रही है ताकि खेती के इस्तेमाल के लिए सब्सिडी पर मिलने वाली यूरिया खाद के बिना इजाज़त इस्तेमाल और स्टोरेज को रोका जा सके। चीफ एग्रीकल्चर ऑफिसर डॉ. दारा सिंह ने कहा कि सरकार की तरफ से खेती के इस्तेमाल के लिए सब्सिडी पर मिलने वाली यूरिया खाद का गलत इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जो किसानों को सब्सिडी पर मिलने वाली खाद का इस्तेमाल फीड फैक्ट्रियों, प्लाईवुड फैक्ट्रियों और राशन फैक्ट्रियों में करते हैं। इसे रोकने के लिए चीफ एग्रीकल्चर ऑफिसर पटियाला डॉ. दारा सिंह ने एग्रीकल्चर ऑफिसर, राजपुरा के साथ मिलकर मेसर्स. राम प्रोटीन प्रोडक्ट्स, पहली मंज़िल, दुकान नंबर 160, अनाज मंडी, राजपुरा, गौदाम जी-1 सैदखेड़ी रोड, डीएवी स्कूल के पास, की चेकिंग की गई तो गोदाम में टेक्निकल ग्रेड यूरिया के 1495 बैग मिले। जिन पर बनाने वाला, बेचने वाला, लॉट नंबर, बनाने की तारीख, MRP वगैरह नहीं थे। यह यूरिया खाद बिना किसी लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन के इस बिना इजाज़त वाले गोदाम में रखी हुई थी।

खेतीबाड़ी विभाग के फर्टिलाइजर इंस्पेक्टर गुरध्यान सिंह और पेस्टीसाइड इंस्पेक्टर पुनीत कुमार ने इन बैगों से सैंपल लिए और रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सरकार की तरफ से खेती में इस्तेमाल के लिए किसानों को भेजी जा रही सेमी-कोटेड यूरिया को टेक्निकल ग्रेड यूरिया की लेवलिंग के नीचे इन बैगों में रखा गया था। जांच के दौरान पता चला कि उक्त फर्म ने यह यूरिया खाद दिल्ली की एक फर्म मेस को सप्लाई की थी। इसे मंगला केमिकल्स, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली से खरीदकर आगे पटियाला जिले की फीड फैक्ट्रियों को सप्लाई किया जाना था। इस पर एक्शन लेते हुए फर्टिलाइजर इंस्पेक्टर राजपुरा ने आरोपियों के खिलाफ खेड़ी गंडिया पुलिस स्टेशन में फर्टिलाइजर कंट्रोल ऑर्डर 1985, एसेंशियल कमोडिटीज एक्ट 1955 और BNS 2023 की अलग-अलग धाराओं के तहत FIR दर्ज करवाई। चीफ एग्रीकल्चर ऑफिसर डॉ. दारा सिंह ने सभी इनपुट डीलरों को कड़ी चेतावनी दी और कहा कि अगर भविष्य में किसानों के हित में सब्सिडी पर दिए जाने वाले फर्टिलाइजर के गलत इस्तेमाल की कोई शिकायत मिली तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस चेकिंग के दौरान एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट ऑफिसर अमनप्रीत सिंह संधू, रशपिंदर सिंह मौजूद थे।

इंटरनेशनल योगा डे के मौके पर बारादरी गार्डन में डिस्ट्रिक्ट लेवल फंक्शन में सैकड़ों लोगों ने योग किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नवांशहर- योग फिजिकल फिटनेस के साथ-साथ मेंटल हेल्थ के लिए भी फायदेमंद हैः डॉ. सरबजीत कौर डिप्टी कमिश्नर गुलप्रीत सिंह औलख की गाइडलाइंस के मुताबिक, डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने आयुर्वेद डिपार्टमेंट के साथ मिलकर आज यहां बारादरी गार्डन कैंपस में डिस्ट्रिक्ट लेवल पर इंटरनेशनल योगा डे मनाया। डिस्ट्रिक्ट आयुर्वेदिक और यूनानी ऑफिसर डॉ. सरबजीत कौर की लीडरशिप में हुए डिस्ट्रिक्ट लेवल फंक्शन में डिपार्टमेंट के एक्सपर्ट्स ने सैकड़ों पार्टिसिपेंट्स को अलग-अलग योगा आसन सिखाए। डिस्ट्रिक्ट आयुर्वेदिक और यूनानी ऑफिसर ने इस मौके पर योग की इंपॉर्टेंस पर रोशनी डालते हुए कहा कि योग सिर्फ फिजिकल फिटनेस के लिए ही नहीं, बल्कि मेंटल हेल्थ के लिए भी फायदेमंद है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे फिट रहने और खुशहाल ज़िंदगी जीने के लिए योग को अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी का ज़रूरी हिस्सा बनाएं। योग एक्सपर्ट्स की एक टीम ने पार्टिसिपेंट्स को योगा आसन करवाए। डॉ. सरबजीत कौर ने कहा कि ष्टरूयोगशाला प्रोग्राम के तहत पंजाब सरकार लोगों को योग से जोड़ने के लिए उनके घरों के पास क्लास लगाकर हज़ारों लोगों को मुफ़्त योग ट्रेनिंग दे रही है। इस अनोखी पहल की वजह से बड़ी संख्या में लोग योग अपना रहे हैं और शारीरिक और मानसिक सेहत की ओर बढ़ रहे हैं।

बिहार में फिल्म शूटिंग की मंजूरी लेना अब होगा आसान, डेजी ईरानी बनीं नोडल अधिकारी

पटना। बिहार में फिल्म निर्माण और शूटिंग से जुड़ी अनुमति प्रक्रिया को और अधिक सुगम बनाने की दिशा में निगरानी विभाग ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। फिल्म शूटिंग अनुमति के लिए संचालित सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम के प्रभारी संचालन के लिए निगरानी ने अधिकारी नियुक्त कर दिया है। डेजी ईरानी को नोडल पदाधिकारी नामित किया है। जारी आदेश में कहा गया है कि यह निर्णय फिल्म विकास एवं वित्त निगम लिमिटेड के एक पत्र के बाद लिया गया। डेजी ईरानी वर्तमान में निगरानी विभाग, बिहार, पटना में विशेष कार्य पदाधिकारी (ओएसडी) के पद पर कार्यरत हैं। सरकार का मानना है कि फिल्म शूटिंग की अनुमति से संबंधित विभिन्न विभागों की प्रक्रियाओं को एकीकृत कर सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से त्वरित स्वीकृति प्रदान की जा सकेगी। इससे राज्य में फिल्म निर्माण गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और फिल्म निर्माताओं को विभिन्न विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। गौरतलब है कि बिहार सरकार राज्य को फिल्म निर्माण के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। सिंगल विंडो क्लीयरेंस व्यवस्था को मजबूत करने से फिल्म उद्योग को सुविधा मिलने के साथ-साथ राज्य में निवेश, रोजगार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

बराक घाटी के धोयारबंद में हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर जागरूकता सभा और हस्ताक्षर अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- असम के बराक घाटी में गौहाटी हाईकोर्ट की एक स्थायी बेंच स्थापित करने की मांग को लेकर 21 जून रविवार को धोयारबंद रिसॉर्ट में जागरूकता सभा एवं जन-हस्ताक्षर अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हाईकोर्ट बेंच डिमांड इम्प्लीमेंटेशन कमेटी, कछार जिला समिति तथा 'यूथ्स अगेंस्ट सोशल ईविल्स' (यासी) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। सभा में स्थानीय नागरिकों, शिक्षाविदों, अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, व्यापारियों, छात्रों और विभिन्न वर्गों के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। आयोजन के दौरान बराक घाटी में गौहाटी हाईकोर्ट की स्थायी बेंच की आवश्यकता और उसके महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति के नेताओं और वक्ताओं ने कहा कि लगभग 40 लाख लोगों की आबादी वाले बराक घाटी क्षेत्र के लोगों को न्यायिक कार्यों के लिए सैकड़ों किलोमीटर दूर गौहाटी जाना पड़ता है, जिससे समय, धन और श्रम की भारी हानि होती है। उन्होंने कहा कि न्याय तक आसान पहुंच नागरिकों का मौलिक अधिकार है और इसी उद्देश्य से बराक घाटी में स्थायी हाईकोर्ट बेंच की स्थापना आवश्यक है। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अपने संबोधन में इस मांग की ऐतिहासिक और कानूनी पृष्ठभूमि प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्ष 1972 से ही इस क्षेत्र में हाईकोर्ट बेंच स्थापित करने की मांग उठती रही है। उन्होंने कहा कि देश के अनेक राज्यों में हाईकोर्ट की खंडपीठें स्थापित हैं, लेकिन बराक घाटी की लंबे समय से चली आ रही न्यायसंगत मांग अभी तक पूरी नहीं हुई है। कार्यक्रम के बाद आयोजित हस्ताक्षर अभियान में विद्यार्थियों, शिक्षकों, व्यवसायियों, कर्मचारियों तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजकों के अनुसार, एक ही दिन में 200 से अधिक लोगों ने गौहाटी हाईकोर्ट की स्थायी बेंच के समर्थन में हस्ताक्षर किए। हाईकोर्ट बेंच डिमांड इम्प्लीमेंटेशन कमेटी ने बताया कि आने वाले दिनों में श्रीभूमि और हैलाकांडी जिलों में भी जागरूकता अभियान, जनसंपर्क कार्यक्रम और हस्ताक्षर अभियान चलाए जाएंगे। समिति ने विश्वास व्यक्त किया कि जनसमर्थन और लोकतांत्रिक आंदोलन के बल पर बराक घाटी की यह लंबे समय से लंबित मांग एक दिन अवश्य पूरी होगी। यह जानकारी समिति के काछार जिला प्रचार सचिव सायन चक्रवर्ती द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

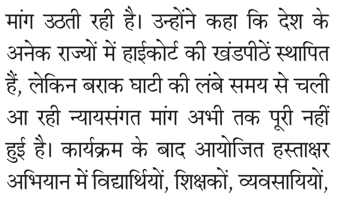

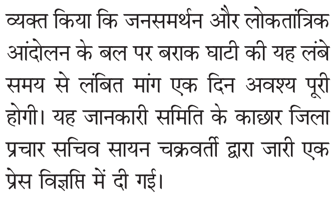

सिलापथार के ग्यारह स्थानों में विश्व योग दिवस पालन

● विद्यार्थी सहित विभिन्न अनुष्ठान प्रतिष्ठानों ने बढ़चढ़ कर लिया भाग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में आज राज्य के साथ धेमाजी जिले के विभिन्न प्रांत में 12वां बिस्वा योगा दिवस मनाया गया। योग सिर्फ एक एक्सरसाइज नहीं है, यह शरीर, मन और आत्मा को एक साथ लाने का एक बड़ा विज्ञान है। 'वन वर्ल्ड, वन हेल्थ' के मकसद को पूरा करने ओर 'योग से सेहत मिलती है, सेहत से खुशी मिलती है इसे उद्देश्य को मद्देनजर रखते हुए पतंजलि योगपीठ के तत्वधान में धेमाजी जिला पतंजलि योग समिति ओर सिलापथार योग समिति के कार्यकर्ता ने इलाके की ग्यारह स्थानों में विश्व युग दिवस के कार्यक्रमों में भाग लेकर अनुष्ठान किया। जिसमें अकाजन हाई स्कूल के खेल मैदान खराब मौसम के बिच लोगो ने युग दिवस के कार्यकम में भाग लिया और आसान ,ध्यान, प्राणायाम,आदि गतिविधियों से अनुष्ठान को सफल बनाया।इसी प्रकार भैरवपुर नेताजी एम.ई. स्कूल खेल मैदान, डिमो ट्राइबल हाई सेकेंडरी स्कूल के खेल मैदान, माजरबारी सर्वोदय उच्च विद्यालय आंगन, 22वीं असम पुलिस बटालियन लिखाबली कैंप,लिखाबाली आई.टी.बी.पी कैम्प।सिलापथार कॉलेज, सिलापथार टाउन कॉलेज।मानिकपुर हाई स्कूल, सिलापथार ओम शांति केंद्र सहित सिलापथार टाउन हनुमानगढ़ी हाई स्कूल में भी बड़ी धूमधाम से विश्व योग दिवस मनाया गया।

जान से मारने की धमकी का आरोप दो पर केस

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के सागररायपुर गांव में गाली-गलौज के बाद मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित अंजनी पाण्डेय ने गांव के ही अम्बेश व सर्वेश पाण्डेय पर लाठी-डंडे से मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए प्रभारी निरीक्षक को तहरीर दी है। इस मामले पुलिस मुकदमा कायम कर लिया है ग्राम सागररायपुर निवासी अंजनी पांडेय ने तहरीर में बताया कि 20 जून को विपक्षी अम्बेश व सर्वेश पाण्डेय गाली देते हुए लाठी-डंडे से मारना-पीटना शुरू कर दिया। हमले में उनकी आंख के ऊपर चोट आई है। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग गए। पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा कायम कर लिया है।